

पंजाब के ‘स्कूल मेंटरशिप प्रोग्राम’ को मिला जबरदस्त समर्थन, महज 3 दिनों में 100 अफसरों ने किया आवेदन

स्कूलों के चयन के लिए आई अर्जियाँ में से 50 प्रतिशत युवा अधिकारी: हरजोत बैस

स्कूली विद्यार्थियों को जीवन में ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा देने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को किया गया शामिल: शिक्षा मंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैस ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के ‘स्कूल मेंटरशिप प्रोग्राम’ को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। 4 अप्रैल को शुरू हुए इस प्रोग्राम के महज तीन दिनों के भीतर ही 100 आईएसएस, आईपीएस और पीसीएस सहित अन्य अफसरों ने स्कूलों के लिए अपनी सेवाएं देने हेतु आवेदन किया है।

गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने इस तरह का पहला ‘स्कूल मेंटरशिप प्रोग्राम’ शुरू किया है, जिसके तहत स्कूली विद्यार्थियों को जीवन में ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा देने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को



शामिल किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के सपनों और अवसरों के बीच की दूरी को समाप्त करना है।

मंगलवार को पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स हरजोत सिंह बैस ने बताया कि विभाग को प्राप्त आवेदनों के विस्तृत विश्लेषण से पता चला है कि इनमें से आधे से अधिक आवेदन युवा अधिकारियों के हैं, जिनमें विशेष रूप से 2015 से 2024 के बीच लोक सेवा में आए अधिकारी शामिल हैं। विभाग को प्राप्त 100 आवेदनों में से 41 आईएसएस अधिकारियों के हैं, जिनमें 2005 से

पहले के बैचों के 7, 2005-2015 के बैचों के 14 और 2016 के बाद के बैचों के 20 अधिकारी शामिल हैं। इसी तरह, इस पहल में 48 आईपीएस अधिकारी शामिल हुए हैं, जिनमें 2005 से पहले के बैचों के 9, 2005-2015 के बैचों के 16 और 2016 के बाद के बैचों के 23 अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, 3 पीसीएस अधिकारी और 8 अन्य अधिकारियों ने भी इस विशेष पहल में रुचि दिखाई है। स हरजोत सिंह बैस ने इस प्रोग्राम में बड़ी संख्या में अधिकारियों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पठानकोट, तरनतारन और फिरोजपुर सहित सीमावर्ती, दूर-दराज और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के लिए भी अधिकारियों ने भरपूर रुचि दिखाई है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस नेक काम के लिए इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों का आगे आना वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारियों द्वारा स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने से पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आएगा।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह प्रोग्राम

सरकार शिक्षकों को सहयोगी और सुखद वातावरण देने के लिए वचनबद्ध: बैस

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान समाज में अध्यापकों की बेमिसाल भूमिका को उजागर करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैस ने पटियाला जिले में कल करवाए गए ‘शिक्षा क्रांति’ समगम के दौरान विधायक चेतन सिंह जौड़माजरा द्वारा की गई टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा की। पंजाब सरकार की राज्य के अध्यापकों को सम्मान देने की वचनबद्धता को दोहराते हुए स बैस ने कहा कि सभी को शिक्षकों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के लिए एक सहयोगी और सुखद वातावरण सृजित करने हेतु समर्पित है, जिसमें वे अपनी सेवाओं को और बेहतर ढंग से निभा सकें।

इच्छुक अधिकारियों के लिए अभी भी खुला है। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी स्कूल का चयन करना चाहते हैं, वे 20 अप्रैल, 2025 तक गूगल फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेंटर अधिकारियों के प्रयासों को सम्मानित करने के लिए राज्य स्तरीय शिक्षा समगमों में उनके शानदार योगदान को मान्यता दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मेंटर अधिकारी अपने चुने हुए स्कूलों का दौरा कर विद्यार्थियों की करियर काउंसलिंग, एक्सपोज़र विजिट, नवीन शिक्षण तकनीकों पर शिक्षकों की ट्रेनिंग, स्कूल में अभिभावकों की भागीदारी को बढ़ावा

देना, आधुनिक विचारों को लागू करना और स्कूलों के शिक्षण वातावरण को और बेहतर बनाने में सहायता करेंगे। अधिकारी विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रिंसिपलों के साथ मिलकर विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने हेतु सलाहकार की विशेष भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त, शिक्षक नवाचार आधारित शिक्षण तकनीकों को अपनाने तथा स्कूल के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और एक्सपोज़र अवसरों में सुधार के लिए इन अधिकारियों के अनुभव और नेटवर्क का लाभ उठा सकेंगे।

मंत्री मोहिंदर भगत ने मनोरंजन कालिया से की मुलाकात कहा – दोषियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा

मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा– सीनियर अफसर कर रहे हैं जांच, सीएम मान खुद इस मामले को लेकर हैं गंभीर– सभी दोषियों को जल्द काबू कर दी जाएगी सख्त सजा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर हुए हमले पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने चिंता व्यक्त की और कहा कि पंजाब सरकार इस घटना में शामिल सभी दोषियों को सख्त सजा देगी। घटना के बाद मोहिंदर भगत ने मनोरंजन कालिया से जालंधर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। मंत्री ने उनका और उनके परिवार का हाल जाना एवं न्याय दिलाने का



भरोसा दिलाया।

मोडिया से बात करते हुए मोहिंदर भगत ने कहा कि कुछ असामाजिक और शरारती तत्वों को पंजाब का विकास हजम नहीं हो रहा है, इसलिए वे इस तरह की हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस के सीनियर अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। जालंधर के डिट्टी कमिश्नर ने भी यहां आकर स्थित का जायजा लिया है। खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सभी दोषियों को जल्द से

जल्द पकड़कर सख्त सजा दी जाएगी।

मंत्री मोहिंदर भगत ने इस मामले को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और पाकिस्तान से जोड़ना। उन्होंने कहा कि पंजाब में इस तरीके के हमले लॉरेंस करवा रहा है और भाजपा की गुजरात सरकार लॉरेंस को साबरमती जेल में पूरी सुरक्षा और सहूलियत के साथ रखी हुई है।

उन्होंने कहा कि आजकल बिश्नोई पाकिस्तान के साथ मिलकर भी पंजाब में हमले करवा रहा है। पिछले दिनों पाकिस्तान गैंगस्टर शहजाद भट्टी के साथ उसकी विडियो कॉल वायरल हुई थी। जिसने यहां पिछले दिनों हुए एक ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी ली थी। लेकिन पंजाब में अब ऐसा लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। सभी अपराधियों को सख्त सजा मिलेगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा।

‘पंजाब शिक्षा क्रांति’ के तहत राज्य के स्कूलों को और बेहतर बनाया जाएगा: मनीष सिसोदिया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रूपनगर, 8 अप्रैल। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को रूपनगर ज़िले के विभिन्न गांवों के स्कूलों और खेल मैदानों का निरीक्षण किया। जिन गांवों का दौरा किया गया उनमें चौड़ियां, बहरामपुर, चंदपुर, डकाला, लोहागढ़ फिड्डू, थली के खेल मैदान और सरकारी प्राइमरी स्कूल बहरामपुर चक्रवां शामिल हैं।

इस अवसर पर बातचीत करते हुए मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब में खेल संस्कृति को और बढ़ावा देने और युवाओं को नशे के



खतरे से बचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर गांव में खेल मैदान बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 13,000 गांवों में युवाओं की मांग के अनुसार वे खेल मैदान बनाए जाएंगे, जिनमें फुटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स, बॉलीबॉल, हैंडबॉल आदि खेलों के मैदान शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब

कैबिनेट कटारूचक ने पंजाब के 7 जिलों के अधिकारियों से गेहूं खरीद प्रबंधों की समीक्षा बैठक की पंजाब की अनाज मंडियां किसानों के स्वागत के लिए तैयार: कटारूचक

गेहूं की बंपर फसल की संभावना को देखते हुए 124 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया, 1864 खरीद केंद्र स्थापित किए गए तथा 600 अस्थायी मंडियों की भी व्यवस्था की गई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

संमरूर, 8 अप्रैल। पंजाब के खाद्य, सिविल आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक ने आज जिला प्रशासनिक परिसर में संमरूर जिले सहित पंजाब के 7 जिलों में गेहूं की खरीद के लिए किए गए प्रबंधों के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पूरे सीजन के दौरान किसी भी अनाज मंडी में किसान, आदूती, मजदूर समेत गेहूं की खरीद व्यवस्था से जुड़े किसी भी वर्ग को कोई पेशानी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब की मंडियां अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं और मंडियों में खरीद, लिफ्टिंग, लोडिंग, ब्रेट और भुगतान संबंधी सभी जरूरी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं।



कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि अधिकारियों की बैठक के दौरान मंडियों में की गई व्यवस्थाओं जैसे पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था, शौचालयों की सफाई आदि के बारे में अच्छी फीडबैक मिली है तथा इस बार भी गेहूं खरीद सीजन बेहतरीन रहेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गेहूं की बंपर फसल होने की संभावना है और 124 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब ने 28,894 करोड़ रुपये की नकद ऋण सीमा (सीसीएल) की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि सीजन के दौरान करीब 8 लाख किसान अपनी उपज पंजाब की मंडियों में लेकर आएंगे, जिसके लिए 1864 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं और इसके अलावा 600 अस्थायी मंडियां भी स्थापित की गई हैं, जिनका जरूरत के

अनुसार इस्तेमाल किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि बैसाखी के नजदीक राज्य की अनाज मंडियों में भरपूर फसल आनी शुरू हो जाएगी और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार मंडियों में आने वाली गेहूं के हर दाने की खरीद और 24 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने संगरूर, बठिंडा, मानसा, मलेरकोटला, फतेहगढ़ साहिब, मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों के जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रकों, खाद्य आपूर्ति अधिकारियों और सरकारी खरीद एजेंसियों के जिला प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे बिना किसी वैध कारण के छुट्टी नहीं लेंगे ताकि किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की पेशानी का सामना न करना पड़े।

पंजाब सरकार नशों से युवाओं को बचाने के लिए हर गांव में बनाएगी खेल मैदान ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने रूपनगर ज़िले के स्कूलों और खेल मैदानों का किया निरीक्षण

‘पंजाब शिक्षा क्रांति’ के तहत राज्य के स्कूलों को और बेहतर बनाया जाएगा: मनीष सिसोदिया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रूपनगर, 8 अप्रैल। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को रूपनगर ज़िले के विभिन्न गांवों के स्कूलों और खेल मैदानों का निरीक्षण किया। जिन गांवों का दौरा किया गया उनमें चौड़ियां, बहरामपुर, चंदपुर, डकाला, लोहागढ़ फिड्डू, थली के खेल मैदान और सरकारी प्राइमरी स्कूल बहरामपुर चक्रवां शामिल हैं।

इस अवसर पर बातचीत करते हुए मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब में खेल संस्कृति को और बढ़ावा देने और युवाओं को नशे के



खतरे से बचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर गांव में खेल मैदान बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 13,000 गांवों में युवाओं की मांग के अनुसार वे खेल मैदान बनाए जाएंगे, जिनमें फुटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स, बॉलीबॉल, हैंडबॉल आदि खेलों के मैदान शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब

बुराड़्यों से दूर रह सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाने वाले खिलाड़ियों को जहां नकद इनाम देकर सम्मानित किया जाता है, वहीं उन्हें सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी दिया गया है ताकि खिलाड़ियों का भविष्य उज्ज्वल बन सके।

सरकारी प्राइमरी स्कूल चक्रवां का दौरा करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि तीन साल पहले जब हमने इस स्कूल का दौरा किया था, तो हमने टूटी हुई दीवारों वाले स्कूल देखे थे, न बेंच थे, न बाथरूम और न ही साफ पीने का पानी था। लेकिन आज इस स्कूल में बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि अब सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने के लिए बेंच, खेल मैदान, शौचालय, आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और

सुरक्षित चारदीवारी मौजूद है। उन्होंने कहा कि «पंजाब शिक्षा क्रांति» के तहत राज्य के स्कूलों को और भी बेहतर बनाया जाएगा।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि पंजाब सरकार युवाओं को अच्छी सेहत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अधिक से अधिक प्रयास कर रही है ताकि पंजाब को एक बार फिर रंगला पंजाब बनाया जा सके।

इस अवसर पर चमकौर साहिब के विधायक डॉ. चरनजीत सिंह, रूपनगर के विधायक एडवोकेट दिनेश चड्ढा, डिट्टी कमिश्नर रूपनगर वरजीत वालिया, अतिरिक्त डिट्टी कमिश्नर (विकास) मिस चंद्रशेखर सिंह, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन हरमिंदर सिंह ढाहे, इंफ्रूवमेंट ट्रस्ट रूपनगर के चेयरमैन राम कुमार मुकारी के अलावा जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

आर.टी.ए. बठिंडा की चेकिंग: अनफिस्ट जीपों को जाली दस्तावेजों के जरिए पंजीकृत करके महंगी बेचने के आरोप में तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कबाड़ गाड़ियों को मॉडिफाई करने वाला बॉडी मेकर गिरफ्तार; बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

25 लाख रुपये कीमत की 5 जीपें बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। पंजाब सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पंजाब विजीलेंस ब्यूरो की बठिंडा रेंज ने आर.टी.ए. दफ्तर बठिंडा की अचानक चेकिंग के दौरान अनफिस्ट गाड़ियों को जाली दस्तावेजों के आधार पर पंजीकृत करके आम जनता को महंगे दामों पर बेचने के मामले का खुलासा किया है। इस मामले में आरोपी नवीन कुमार, निवासी एन.एफ.एल. कालोनी बठिंडा और इंद्रजीत सिंह, निवासी धोबियाणा रोड, बठिंडा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में कबाड़ गाड़ियों को मॉडिफाई करने वाले नागपाल बॉडी



मेकर फर्म के मालिक नरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर छापेमारी शुरू कर दी गई है।

यहां यह जानकारी देते हुए विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त दफ्तर की जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने पिछले दिनों 1993 और 1996 मॉडल बॉडी महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी की 5 कंडम जीपों/गाड़ियों के लिए गुजरात



राज्य से एन.ओ.सी. जारी करवाई थी, जबकि ये गाड़ियां बठिंडा पहुंची ही नहीं हैं। उक्त व्यक्तियों ने कबाड़ में से 5 गाड़ियां खरीदकर आर.टी.ए. दफ्तर बठिंडा के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके इन कंडम गाड़ियों के लिए गुजरात से एन.ओ.सी. बनवाई और इनके आधार पर राजेश टूटेजा नामक व्यक्ति के साथ किराया-नामा लिखकर उसका पता उसकी अनुमति के बिना इस्तेमाल

किया। इसके बाद आरोपियों ने कबाड़ वाली गाड़ियों को नागपाल बॉडी मेकर, सिरसा रोड, डबवाली से मॉडिफाई करवाया और जाली दस्तावेजों के आधार पर आर.टी.ए. दफ्तर बठिंडा में पंजीकृत करके भोले-भाले लोगों को ऊंची कीमत पर बेचकर ठगी की है। विजीलेंस ब्यूरो बठिंडा रेंज ने नागपाल बॉडी मेकर, डबवाली, हरियाणा में छाप मारकर मॉडिफाई की गई 5 जीपों को बरामद किया है, जिनकी कीमत

करीब 25 लाख रुपये है।

प्रवक्ता ने बताया कि विजीलेंस ब्यूरो बठिंडा रेंज द्वारा उक्त नवीन कुमार और इंद्रजीत सिंह के खिलाफ मामला नंबर 11 दिनांक 07/04/2025 को भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7-ए, 13(1)(ए) सहित 13(2) और बी.एन.एस. की धारा 318(4), 336(2), 338, 336(4), 340(2), 61 के तहत दर्ज किया गया है। इसके अलावा नागपाल बॉडी मेकर फर्म के मालिक नरेश कुमार को भी इस मामले में नामजद करके गिरफ्तार किया गया है। बाकी दोषियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुकद्दमे की जांच के दौरान आर.टी.ए. दफ्तर बठिंडा के अधिकारियों/कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों की सलिता सामने आने पर उन्हें भी नामजद किया जाएगा।

पेज एक का शेष

कांग्रेस शासन में...

सांसद जय प्रकाश द्वारा एरोड्रम वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद एरोड्रम और एयरपोर्ट का मतलब गुगल कर लें तो उन्हें समझ आ जाएगा। आज हिसार में इतनी बड़ी परियोजना मूर्तरूप ले रही है, यह पूरा हरियाणावासियों के लिए गर्व की बात है, लेकिन विपक्षी दल विकास को देखकर मुड़ा गए हैं। उनसे सहन ही नहीं हो रहा कि राज्य सरकार इतने विकास के काम कैसे कर रही है। उन्होंने कहा कि सांसद जिम्मेवारी व्यक्ति हैं, उन्हें तो एयरपोर्ट पर आकर प्रधानमंत्री का स्वागत करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से अभी हफ्ते में 2 दिन हिसार से अयोध्या तक फ्लाइट उड़ेंगी। जैसे – जैसे बुकिंग अधिक होगी तो फ्लाइट के रूट भी बढ़ाए जाएंगे।

हालांकि, पहली फ्लाइट की बुकिंग के लिए 2 घंटे पोर्टल खोला था और 2 घंटे में ही पूरी फ्लाइट फुल हो गई। हिसार एयरपोर्ट पर सुरक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट लगभग 7200 एकड़ में है और 2000 एकड़ में चारदीवारी बनाई गई है। निश्चित तौर पर इतने बड़े इलाके में कुछ जानवर हो सकते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उन सभी जानवरों को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा रहा है और जल्द

ही इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

वक्फ बिल पर विपक्ष की राजनीति: वक्फ बिल पर कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयान के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम समाज के साथ-साथ हर वर्ग के हित में है। कांग्रेस ने इस कानून को वोट बैंक के लिए हड़बड़ाहट में बनाया, जिसका खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा। हरियाणा निकाय चुनावों में कांग्रेस जीरो पर आउट हो गई। दिल्ली चुनावों में भी कांग्रेस तीसरी बार जीरो पर आउट हुई।

आने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स और भविष्य की योजना: मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि अंबाला एयरपोर्ट से जुड़ी कुछ अनुमतियां शेष हैं, जो जल्द मिल जाएंगी। इसके अलावा भी प्रेल्डिसासियों को आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट की सीमागत मिलने वाली है। पंडित दीन दयाल मेडिकल यूनिवर्सिटी बनकर तैयार है, जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा।

वहीं, पंडित नेकी राम मेडिकल कॉलेज, भिवानी, कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनकर तैयार है, उसका भी जल्द उद्घाटन होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए ‘डिपार्टमेंट ऑफ प्यूब्लिक’ की स्थापना करने का निर्णय लिया है, जो अगले 20 वर्षों के विकास की रणनीति तैयार करेगा।

गिरफ्तार किया गया आरोपी जशान संधू 2023 में श्री गंगानगर, हिरवा केंस में था वांछित, गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार बदल रहा था ठिकाने: गौरव यादव आरोपी जशान दुर्बई से नेपाल पहुंचा, कानून से बचने की कोशिश में सड़क मार्ग से भारत में दाखिल हुआ: एडीजीपी प्रमोद बान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने निर्देश पर संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए जारी युद्ध के तहत पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गैंग के दो गुर्गों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से एक



.32 कैलिबर पिस्तौल बरामद किया है। यह जानकारी आज जब पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जशानदीप सिंह उर्फ जशान संधू निवासी गांव 25 मल, जिला श्री गंगानगर, राजस्थान और गुरसेवक सिंह निवासी श्री मुक्तसर साहिब के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि आरोपी जशान संधू राजस्थान के गंगानगर में 2023 के हत्या केस में वांछित था और गिरफ्तारी

से बचने के लिए जॉर्जिया, अज़रबैजान, सऊदी अरब और दुबई में लगातार ठिकाने बदल रहा था। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में अपने हैंडलरों के निर्देश पर आरोपी जशान दुर्बई से नेपाल पहुंचा और कानून से बचने के लिए सड़क मार्ग से भारत में दाखिल हुआ।

डीजीपी ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि आरोपी जशान ने गिरोह को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उससे पूछताछ के बाद विदेशी हवाला ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और विदेशों में छिपे भगौड़े गैंगस्टरों के ठिकानों के बारे में जानकारी मिली है, जो इन नेटवर्कों का पर्दाफाश करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संबंध में जशानकी साक्षात्कार करते हुए एडीशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) एजीटीएफ प्रमोद बान ने बताया कि जशान के नेपाल में पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से भारत में दाखिल होने की विशेष जानकारी पर तेजी से कार्रवाई करते हुए एआईजी गुर्मीत चौहान की निगरानी में और डीएसपी ब्रजमजीत सिंह बराड़ की अगुवाई में एजीटीएफ की विशेष ऑपरेशन टीमों ने जशान को उसके साथी गुरसेवक के साथ सफलतापूर्वक ट्रैस करके उन्हें मोहाली से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से एक .32 कैलीबर पिस्तौल और सात कारतूस बरामद किए हैं।

एआईजी गुर्मीत चौहान ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि आरोपी गुरसेवक अपने साथी जशान के माध्यम से लॉरेंस गैंग के सदस्यों के संपर्क में आया था और उनके द्वारा स्थानीय स्तर पर काम कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि आरोपियों द्वारा किए गए खुलासों से यह भी पता चला कि रोहित गोदारा पंजाब और नई दिल्ली में कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों के हत्या का योजना बना रहा था। उन्होंने आगे बताया कि उनकी गिरफ्तारी से सनसनीखेज अपराधों को टालने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एआईजी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस संबंध में एसएस नगर थाने में स्टेट क्राइम पंजाब में शरक अधिनियम की धारा 25 (6) (7) के तहत एफआईआर नंबर 02 तिथि 07/04/2025 दर्ज की गई है।

चंडीगढ़ में 40 हेक्टेयर वन भूमि विकास के लिए डायवर्ट की गई

1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2024 के बीच गैर वानिकी उद्देश्यों के लिये भूमि हुई डायवर्ट

चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमआर) में इमारतों के निर्माण के लिए आवंटित की गई करीब 40 एकड़ वन भूमि

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वन भूमि को मंजूरी दी गई, लोकसभा में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्री का जवाब

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। चंडीगढ़ में 40 हेक्टेयर (98 एकड़) वन भूमि 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2024 के बीच गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए डायवर्ट की गई है। पिछले 10 वर्षों में, चंडीगढ़ में 40 हेक्टेयर वन भूमि गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए डायवर्ट की गई है। गैर-वानिकी उद्देश्य का अर्थ है



वन भूमि को वनीकरण के अलावा अन्य उपयोगों के लिए साफ करना या उसका पुनः उपयोग करना है। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की रिपोर्ट के अनुसार, चंडीगढ़ के वन क्षेत्र में पिछले सात वर्षों में 9 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे शहर का ग्रीन एरिया (हरित परिदृश्य)बढ़ा है। यह मामला लोकसभा के चालू सत्र के दौरान उठाया गया, जहाँ एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि चंडीगढ़ में 40 हेक्टेयर (98 एकड़) वन भूमि को 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2024 के बीच गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए डायवर्ट किया गया था। यादव ने कहा कि लगभग 39.82

हेक्टेयर वन भूमि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमआर) में इमारतों के निर्माण के लिए आवंटित किया गया था। पिछले एक दशक में पीजीआईएमआर के विस्तार के हिस्से के रूप में कई नई संरचनाएँ बनाई गई हैं।

मंत्रों ने आगे बताया कि 2014-15 और 2023-24 के बीच, वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं सहित विभिन्न गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए 40 हेक्टेयर वन भूमि को मंजूरी दी गई थी। मंत्री ने कहा, इन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) पर्यावरण

6 वर्षों में चंडीगढ़ का हरित क्षेत्र 9 फीसदी बढ़ा

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चंडीगढ़ का हरित क्षेत्र 2017 में 41 फीसदी से बढ़कर 2023 में 50.05 फीसदी हो गया है – लगभग 9 फीसदी की वृद्धि। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि इस विस्तार में एक प्रमुख योगदानकर्ता ग्रीनिंग चंडीगढ़ एक्शन प्लान (जीसीएपी) है, जो वन विभाग, इंजीनियरिंग विभाग की बागवानी शाखा और नगर निगम सहित विभिन्न विभागों द्वारा सहयोगात्मक रूप से विकसित एक वार्षिक खाका है। इस योजना के तहत, प्रत्येक विभाग वार्षिक वृक्षारोपण लक्ष्य निर्धारित करता है, जो शहर के वन क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चंडीगढ़ के वन पारिस्थितिकी तंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए, वन विभाग ने हाल के वर्षों में विदेशी प्रजातियों के रोपण को समाप्त करते हुए शीशम, शहतूत, खैर और बबूल जैसी देशी प्रजातियों की खेती को प्राथमिकता दी है। इस रणनीतिक बदलाव ने शहर के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान दिया है और स्थायी जैव विविधता को बढ़ावा दिया है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने मौजूदा वन क्षेत्रों की सुरक्षा और हरित क्षेत्रों का और विस्तार करने के लिए गैर सरकारी संगठनों, निवासी कल्याण संघों, इको-क्लब और पर्यावरण समितियों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से काम किया है। निवासियों को मुफ्त पौधे वितरित करने से शहर के पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करने में सार्वजनिक भागीदारी को भी बढ़ावा मिला है। देहरादून में मुख्यालय वाला भारतीय वन सर्वेक्षण देश के वन आवरण की निगरानी और रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रिमोट सेंसिंग डेटा और ग्राउंड वैरिफिकेशन का उपयोग करके संकलित इसकी द्विवार्षिक रिपोर्ट, भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के माध्यम से भारत के वन संसाधनों का व्यापक मूल्यांकन प्रदान करती है।

(संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत जारी पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के प्रावधानों के तहत दी गई थी। उल्लेखनीय है कि भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात वर्षों में चंडीगढ़ के वन क्षेत्र में 9 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे शहर का हरित परिदृश्य बढ़ा है। इस वृद्धि में शहर के सभी पेड़ और सुखना वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।

स्ट्रीट वेंडरों को दिये जाएं स्मार्ट आईडी कार्ड: बराड़

46 नामित वेंडिंग जोन में सभी साइटों की मार्किंग पूरी करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। चंडीगढ़ नगर निगम (एमसीसी) के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ स्थानीय सरकार एवं शहरी विकास सचिव मंदीप सिंह बराड़ की अध्यक्षता में वित्तेताओं और प्रवर्तन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

एमसीसी के संयुक्त आयुक्त समीत सिहाग ने आयुक्त एमसीसी की उपस्थिति में प्रतिभागियों को शहर में स्ट्रीट वेंडर्स की वर्तमान स्थिति और स्ट्रीट वेंडर्स और वेंडिंग जोन की प्रभावी निगरानी के लिए नगर निगम द्वारा किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी।

नगर निगम द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं कि केवल वैध विक्रेता ही अपने आवंटित वेंडिंग स्थानों से काम करें जिसमें सख्त प्रवर्तन और वेंडिंग शुल्क का भुगतान न करने पर चालान और पद करना आदि शामिल है। बैठक के दौरान, स्थानीय



सरकार और शहरी विकास सचिव ने नगर निगम को एक महीने के भीतर शहर में 46 नामित वेंडिंग जोन में सभी साइटों की मार्किंग पूरी करने के निर्देश जारी किए। इसके अलावा, सभी सक्रिय स्ट्रीट वेंडर्स को स्मार्ट आईडी कार्ड प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए, जिसमें स्पष्ट रूप से उनके आवंटित वेंडिंग साइट्स को दर्शाया गया है, जो वास्तविक समय के डेटा पर काम कर रहे हैं, जिसमें बड़ी हुई सुरक्षा विशेषताएं हैं, ताकि इसे जाली या कॉपी न किया जा सके।

इस पहल का उद्देश्य चंडीगढ़ में पारदर्शिता बढ़ाना और सबलेटिंग

और अवैध वेंडिंग के खतरे को प्रभावी ढंग से रोकना है। बेहतर निगरानी के लिए एप्लिकेशन के विकास के बारे में निर्देश, जिसके माध्यम से भौगोलिक निर्देशांक तक पहुँचा जा सकता है और वास्तविक समय के आधार पर तुलना की जा सकती है, एमसीसी और आईटी विभाग को भी दिए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप वेंडिंग साइट्स की जियो-फेंसिंग हो सकेगी।

एमसीसी के प्रवर्तन विंग को शहर भर के विभिन्न क्षेत्रों से सभी अनधिकृत विक्रेताओं को हटाने का भी निर्देश दिया गया है।



अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। चंडीगढ़ बियोपार मंडल (सीबीएम) ने वाणिज्यिक संपत्तियों में भवन उल्लंघन (बिल्डिंग वायलेशन)के लिए दंड दरों में वृद्धि की कड़ी निंदा की है। सीबीएम का मानना ​​है कि यह कदम व्यापारियों और व्यवसायियों के हितों को नुकसान पहुंचाएगा। सीबीएम ने इसको लेकर एक आपातकालीन बैठक आयोजित की, जिसमें अध्यक्ष संजीव चड्ढा, मुख्य संरक्षक सतपाल गुप्ता, उपाध्यक्ष दीवाकर साहूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष नारंग, मुख्य सलाहकार भूपेंद्र नारद, वित्त सचिव राधे बत्रा और कार्यकारी सदस्य आनंद स्याल और अनिल जैन ने भाग लिया। वर्तमान भवन उपनियम पुराने हो चुके हैं और शहर में वाणिज्यिक गतिविधियों के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। इसके बजाय, अधिकारियों ने कठोर दंड लगाने का निर्णय लिया है, जो चंडीगढ़ में व्यवसायों को हतोत्साहित करेगा। सीबीएम के अध्यक्ष संजीव चड्ढा और उपाध्यक्ष और आधिकारिक प्रवक्ता दीवाकर साहूजा ने मांग की है की है कि अधिकारी भवन उपनियमों की समीक्षा और संशोधन करें। दंड दरों में बदलाव करने से पहले व्यापारियों, व्यवसायियों और निवासियों के साथ परामर्श करें। चंडीगढ़ को एक खुदरा केंद्र बनाने के लिए वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देने वाली नीतियों को लागू करें। सीबीएम ने प्रशासन और केंद्र में सत्तारूढ़ दल से आग्रह किया है कि वे दंड दरों में वृद्धि पर पुनर्विचार करें और चंडीगढ़ में एक अनुकूल व्यवसायिक माहौल बनाने के लिए काम करें।

गृह मंत्री अमित शाह को यूटी कर्मचारियों की मांगों का मांग पत्र भेजा

आउटसोर्स वर्कर्स को समान काम के लिए समान वेतन दिए जाने की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। मंगलवार को ज्वाइंट एक्शन कमेटी का प्रतिनिधिमंडल संयोजक अश्वनी कुमार की अगुवाई में एसडीएम सेंट्रल नवीन कुमार को मिला और एसडीएम के माध्यम से गृह मंत्री अमित शाह को यूटी कर्मचारियों का मांग पत्र भेजा। मांग पत्र में बताया कि चंडीगढ़ प्रशासन कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं कर रहा इस कारण कर्मचारियों में बहुत रोष है। कर्मचारियों को बार-बार आंदोलन करने पड़ रहे हैं। इस लिए ज्वाइंट



एक्शन कमेटी ने गृह मंत्री से मांग की कि दखलअंजकी कर यूटी कर्मचारियों की मांगों को पूरा करवाया जाए। उनकी मुख्य मांगों में आउट सोर्स वर्कर्स को समान काम

के लिए समान वेतन दिया जाए, प्रशासन और एमसीसी के विभागों में सैंकड़ों आउटसोर्स वर्कर्स काम कर रहे हैं उनका शोषण रोकने के लिए सुरक्षित पॉलिसी बनाई जाए,

गर्मियों के मौसम को देखते हुए चिड़ियाघर में गेट के पास किया जा रहा है ठंडे पानी का प्रबंध



जीरकपुर, 8 अप्रैल (अप्रस)। अप्रैल महीना शुरू होते ही गर्मी ने भी अपना असर दिखाया शुरू कर दिया है। गर्मियों में छतबीड़ चिड़ियाघर में आने वाले सैलानियों के लिए गेट के अंदर एंट्री प्लांट के नजदीक पीने वाले पानी की व्यवस्था की जा रही है। एक पानी की टंकी गेट के बाहर टिकट काउंटर के नजदीक स्थित है और एक अंदर कैटीन के नजदीक स्थित है। टिकट लेकर चिड़ियाघर में एंट्री करने वाले लोगों को पानी पीने

के लिए कैटीन तक जाना पड़ता है। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से सैलानियों के लिए गेट के अंदर एंट्री प्लांट पर भी पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। चिड़ियाघर प्रशासन का कहना है कि सैलानियों के लिए भीषण गर्मी में पानी का प्रबंध किया गया है। टिकट काउंटर के पास बड़ी टंकी बनी हुई है, इसी तरह चिड़ियाघर के अंदर भी कई प्लांट पर सैलानियों के लिए पानी की व्यवस्था की जा रही है।

देश को नई पीढ़ी के विचारों व उनकी ऊर्जा की आवश्यकता : राजीव वर्मा पीयू की परीक्षाओं में पहला स्थान पाने वाले 10 छात्र पदक से सम्मानित, 19 को रोल ऑफ ऑनर

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स (पीजीसीजी) सेक्टर-11, चंडीगढ़ का 66वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आज आयोजित किया गया। चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव राजीव वर्मा इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। सत्र 2023-24 के दौरान 1050 से अधिक छात्रों ने अपना स्नातक और स्नातकोत्तर पूरा किया।

इस अवसर पर कॉलेज के साथ-साथ पंजाब विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कॉलेज के 80 से अधिक छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। पंजाब



विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 10 छात्रों को पदक से सम्मानित किया गया और 19 छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि द्वारा रोल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। ऑलराउंडर काशवी गौतम को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला टीम में चुना गया है। मंगलवार को यूटीसीए को बीसीसीआई के ऑफीशियल करिस्पोंडेंस द्वारा इसकी पुष्टि की गई। इस चयन के साथ ही काशवी भारतीय महिला नेशनल जर्सी पहनने वाली यूटीसीए की पहली क्रिकेटर बन गई हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला 27 अप्रैल को शुरू होगी, जिसमें भारत का सामना मेजबान श्रीलंका से होगा और फाइनल 11 मई को खेला जाएगा। प्रत्येक टीम चार मैच खेलेगी, जिसमें शीर्ष दो टीमों फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

काशवी को 2025 वीमेन प्रीमियर लीग में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने गुजरात जायंट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 मैचों में 11 विकेट लिए और टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय खिलाड़ी रही। काशवी इस समय देहरादून में खेले जा रहे



सीनियर्स महिला मल्टी डेज टूर्नामेंट में खेल रही हैं और उन्होंने तीन मैचों में नाबाद शतक (106) सहित 194 रन बनाए हैं। उनकी लगातार पेस, कंट्रोल और मैच जीतने वाले स्पेल ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है, जिसके कारण उन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। यह चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय टीम सितंबर-अक्टूबर 2025 में अपने ही घर पर होने वाले आईसीसी

महिला विश्व कप के लिए पुरजोर तैयारी कर रही है। यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने काशवी के चयन पर बहुत गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की और यूटीसीए से भारतीय टीम तक काशवी का सफर को वास्तव में प्रेरणादायक बताया। उसकी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और प्रदर्शन काशवी की क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह आगामी टूर्नामेंट में देश और चंडीगढ़ को गौरवान्वित करेंगी।

चंडीगढ़ कैपिटल ऑफ पंजाब एक्ट 1952 के तहत जर्मुर्ना राशि में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को खारिज करे केंद्र सरकार: कैलाश चंद जैन

उद्योग व्यापार मंडल चंडीगढ़ के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन व महासचिव नरेश कुमार ने कैपिटल ऑफ पंजाब (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट 1952 की धारा 13, 14, 15 के तहत अलॉटमेंट की धाराओं की उलंघन अथवा बिल्डिंग वायलेशन व मिसयूज पेनल्टी में बेतहाशा बढ़ोतरी के चंडीगढ़ प्रशासन के प्रस्ताव पर कानूनी मंत्रालय की सहमति पर एतराज जताते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस प्रस्ताव को पास करने हेतु संसद में न भेज कर पुनर्विचार हेतु चंडीगढ़ प्रशासन को वापस भेजने का अनुरोध किया है। इस संबंध में कैलाश जैन का कहना है कि उनकी जानकारी के अनुसार प्रशासन द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में एक्ट की धारा 13, 14 व 15 के तहत अलॉटमेंट की शर्तों व नियमों में की उलंघना की जर्मुर्ना राशि पांच सौ रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए किया जाना है तत्पश्चात अपराध साबित होने पर उल्लंघन के प्रत्येक दिन की जर्मुर्ना राशि बीस रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर चार हजार रुपए प्रतिदिन करने का प्रस्ताव है, मतलब बीस हजार प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है जो किसी भी हालत में तर्कसंगत नहीं है। इसलिए उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से अपील की है कि प्रशासन द्वारा भेजे गए बीस हजार प्रतिशत की बढ़ोतरी वाले ऐसे प्रस्ताव पर संज्ञान न लिया जाए व इसे खारिज किया जाए। इसे संसद में ले जाने की बजाय चंडीगढ़ प्रशासन को वापस भेजा जाए तथा प्रशासन को यह है निर्देश भी दिए जाए कि प्रशासन स्टैकहोल्डर के साथ बैठक करके तर्क संगत बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजें। इस संबंध में यूटीएम महासचिव नरेश कुमार का कहना है कि जब प्रशासन ने बिल्डिंग वायलेशन तथा मिसयूज के लिए अपने चंडीगढ़ स्टेट रुल्स बनाए हैं तो एक्ट में बदलाव करने का कोई औचित्य नहीं है एक्ट में जो प्रावधान पहले से दिए गए हैं वही रहने चाहिए किसी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए।



बिल्डिंग वायलेशन पर 200 गुना जर्मुर्ना, 500 से सीधा 1 लाख वया सही है चंडीगढ़। आप चंडीगढ़ इकाई ने पहले बेतहाशा कलेक्टर रेट ,फिर कई गुना प्रॉपर्टी टैक्स और अब बिल्डिंग वायलेशन पर 200 गुना पेनल्टी के खिलाफ आवाज उठाने का निर्णय लिया है , आप चंडीगढ़ के अध्यक्ष विजय पाल सिंह ने कहा है कि प्रशासन चंडीगढ़ वासियों अपने शहर में जीना दूभर करने पर लगा है लेकिन आम आदमी पाजें। गैर लोकतांत्रिक बढ़ोतरी के खिलाफ जल्द ही चंडीगढ़ के प्रशासक को मिलकर अपना सख्त एतराज जताएगी और यदि चंडीगढ़ वासियों को राहत नहीं दी गई तो जल्द ही एक विशाल रोष प्रदर्शन होगा। आम आदमी पार्टी के ट्रेजरर जेडी घई व अन्य पदाधिकारियों ने रसोई गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने व पेट्रोल डीजल पर एक्साइज बढ़ने पर भी सख्त एतराज व्यक्त किया है उनका कहना है कि महंगाई वैसे ही बहुत अधिक हो रही है इसलिए ऐसे में रसोई गैस और डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ाना और आम जनता के साथ घोर अन्याय हैं , आम आदमी पार्टी इन्हें तुरंत वापस लेने की माँग करती है।

तीन महीने का वेतन न मिलने के विरोध सीवरेज वर्करों की भूख हड़ताल 42वें दिन में दाखिल

डिप्टी मेयर ने दिया दिया समर्थन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। तीन महीने का वेतन ना मिलने की विरोध में सीवरेज एम्पलाइज यूनियन के बैनर तले वर्करो की चल रही भूख हड़ताल मंगलवार को 42वें दिन में दाखिल हो गई। भूख हड़ताल पर बैठे 8 वर्करो को डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने जूस पिला कर भूख हड़ताल से उखाया। इस मौके पर वर्करो को संबोधन करते हुए उन्होंने सीवर वर्करो की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि वर्करो की सैलरी समय पर मिलनी चाहिए, पेंडिंग पी



एफ जल्द जमा करवाया जाए, ठेकेदार के खिलाफ कारवाई की जाए तथा रेगुलर वर्करो की पेंडिंग तथा तेल साबुन जल्द दिया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सीवर वर्करो के मसले माननीय कमिश्नर के समक्ष उठाए जाएंगे। इस मौके पर यूनियन के प्रधान सुरेश कुमार,

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड मैक एम्पलाइज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के महासचिव राकेश कुमार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजिंदर कुमार खिलवा राहुल वैध, नरेश कुमार, राजिंदर कुमार, हरभजन सिंह, जसवंत सिंह, दविंदर कुमार आदि भी मौजूद थे।

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड मैक एम्पलाइज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के महासचिव राकेश कुमार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजिंदर कुमार खिलवा राहुल वैध, नरेश कुमार, राजिंदर कुमार, हरभजन सिंह, जसवंत सिंह, दविंदर कुमार आदि भी मौजूद थे।

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड मैक एम्पलाइज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के महासचिव राकेश कुमार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजिंदर कुमार खिलवा राहुल वैध, नरेश कुमार, राजिंदर कुमार, हरभजन सिंह, जसवंत सिंह, दविंदर कुमार आदि भी मौजूद थे।

आभारी रहने का आग्रह किया जो इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान उनके समर्थन के स्तंभ रहे हैं। छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि देश को नई पीढ़ी के विचारों और उनकी ऊर्जा की आवश्यकता है, इसलिए स्नातक युवाओं को साहसी, अभिनव होना चाहिए, उत्कृष्टता का पीछा करना चाहिए और मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। पीजीजीसीजी-11 की प्राचार्य प्रो. अनीता कौशल ने कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और शैक्षणिक, खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रिया गतिविधियों में छात्रों की शानदार उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने अनुसंधान में संकाय के योगदान को भी रेखांकित किया। प्राचार्य ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पीजीजीसीजी-11 ने पंजाब

सम्पादकीय

पंजाब में ग्रेनेड हमले की वारदातें चिंताजनक, कड़ी कार्रवाई जरूरी

पंजाब के जालंधर में पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमला गंभीर मामला है। इस हमले में कालिया और उनके परिवार एवं सुरक्षा कर्मियों का बचाव हो गया लेकिन यह कौन जानता है कि अपराधी का मकसद पूरा हो

फिसानों और पंजाब सरकार के बीच बातचीत का तारतम्य टूटना दुखद रहा है। यह अपने आप में अप्रत्याशित भी रहा कि एकाएक शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों को हटा दिया गया। बीते दो साल के करीब किसानों ने यहां डेरा डाला हुआ था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट तक जिस काम के लिए सरकार को निर्देशित कर रहे थे और उसे करते हुए वह झिझक रही थी। उसे उसने अपनी इच्छा से कुछ भी घंटों में कर दिखाया। राज्य सरकार ने जनता को पेश आ रही परेशानियों को बखूबी समझा है और उसके मुताबिक फिसानों को हटाया। हालांकि इस दौरान उसने किसानों के साथ दुश्मनी भी मोल ले ली। अब किसान जिस प्रकार से केंद्र सरकार से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं, वह आप की प्रदेश में सियासत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पंजाब पुलिस ने इन हमलों में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की है, लेकिन इसके बावजूद अपराधी बाज नहीं आ रहे।

पंजाब में बीते चार महोने के अंदर पुलिस चौकियों और थानों पर ग्रेनेड हमलों के बाद अब आतंकियों ने धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना शुरू किया है। पुलिस चौकियों और थानों पर हमले की वजह की प्रदेश में कानून और व्यवस्था को क्षति पहुंचाना है, वहीं अब धार्मिक स्थलों पर हमले की वजह प्रदेश के सामाजिक सौहार्द और इसकी शांति को नुकसान पहुंचाना है। अमृतसर में मार्च में ठाकुरद्वारा मंदिर पर दो आतंकियों ने ग्रेनेड फेंका। इसके बाद जो धमाका हुआ, उसने आसपास के लोगों को दहशत में ला दिया। राज्य में जब से नशे के सौदागरों के खिलाफ युद्ध छेड़ा गया है, तब से राज्य में दहशतगर्दों और पाकिस्तान आदि देशों में बैठे उनके आकाओं को परेशानी होनी लगी है। उनकी बेचैनी इस कदर सामने आ रही है कि वे अब थानों, पुलिस चौकियों, धार्मिक स्थलों को अपना निशाना बना रहे हैं। पंजाब एक समय आतंकवाद की तपिश झेल चुका है और अब खुफिया एजेंसियां इसकी रिपोर्ट जाहिर कर रही हैं कि राज्य से आतंक का खतरा टला नहीं है, जबकि और बढ़ रहा है। पंजाब पहले से विदेश में बैठे खालिस्तानी सोच के लोगों के टारगेट पर है और अब नशे के कारोबार के जरिये जब उनकी दुकानों पर ताले लगने शुरू हुए हैं तो वे बेवस हो रहे हैं।

पंजाब में बीते वर्षों में कई हिंदू नेताओं की हत्याएं हो चुकी हैं। राज्य में वर्ष 2016 और 2017 में छह हिंदू और एक ईसाई नेता की हत्याएं की जा चुकी हैं। साल 2022 में भी दो हिंदू नेताओं की हत्याएं की गई हैं। राज्य में खालिस्तान समर्थकों की अब भी बड़ी तादाद है, जोकि हिंदुओं की बढ़ती संख्या से परेशान है। बेशक, किसी धर्म के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करना अनुचित है लेकिन पंजाब के माहौल को खराब करने के लिए अगर पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई को जिम्मेदार ठहराया जाता है तो फिर इससे खालिस्तान समर्थकों को क्यों तकलीफ होती है? जाहिर है, आईएसआई की योजना पंजाब में फिर से अव्यवस्था पैदा करके अपने नापाक इरादों को पूरा करने की है। दरअसल, सुरक्षा के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। विपक्ष की ओर से मान सरकार पर तमाम आरोप लगाए जा रहे हैं, हालांकि राज्य सरकार ने पुलिस बलों के जरिये अपराध की रोकथाम के लिए तमाम प्रयास किए हैं और पहले की तुलना में पुलिस अब ज्यादा जवाबदेह तरीके से काम कर रही है।

ग्रेनेड हमले की वारदातों में सलिस आरोपियों की पहचान करके उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है। यह भी समझा जाना चाहिए कि राज्य में इस प्रकार की वारदातें आखिर क्यों बढ़ रही हैं, इनके पीछे कौन है। जो छिपकर इन वारदातों को करवा रहा है, उसकी पहचान और उसकी धरपकड़ भी जरूरी है। पंजाब देश का सबसे अहम और संवेदनशील राज्य है, अगर यहां पर माहौल बिगड़ता है, तो इससे पूरा देश प्रभावित होता है। सरकार को अतिवादी ताकतों पर अंकुश लगाने की सख्त जरूरत है, जोकि किसी दूसरे देश में बैठे दहशतगर्दों के इशारे पर यहां की शांति और खुशहाली को पलीता लगा रहे हैं।

चंडीगढ़, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025

जर्जों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबाबदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड़्ढी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उभजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठया गया उचित एवं प्रार्संगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठ है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक



तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जर्जों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जर्जों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबाबदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतिपय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज

में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गुप्त, न्यायमूर्ति बीवी नागरवा, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जबाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बंगलादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह

स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है। न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जर्जों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानून अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबाबदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचित्ता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचित्ता की भी अनिवार्य बात है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन	
पंजाब में निर्दोष लोगों की हत्याओं में कमी	
नई दिल्ली। पंजाब में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष निर्दोष लोगों के मारे जाने में काफी कमी आई है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इस वर्ष पहली तिमाही के दौरान 31 व्यक्ति खाड़कुओं की गोलियों शिकार हुए जबकि पिछली तिमाही के दौरान 513 लोग खाड़कुओं की गोली का शिकार हुए। जबकि इसी दौरान सुरक्षा बलों ने 339 खाड़कुओं को विभिन्न मुठभेड़ों में मार गिराया जिनमें 26 खुंखार खाड़कु शामिल है इनमें से पिण्डरा वाला टाईगर्स फोर्स के प्रमुख गुरचरण सिंह मनोचाहल भी शामिल है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जनवरी माह में 9 निर्दोषों की हत्या हुई जिसमें 6 सुरक्षा कर्मी, फरवरी में चार व्यक्तियों की हत्या जिसमें दो सुरक्षा कर्मी तथामार्चमें 18 व्यक्तियों की हत्या हुईजिसमें 7 सुरक्षा कर्मी शामिल है। जबकि पिछले साल जनवरी केदौरान 110 में से 15 सुरक्षा कर्मी, फरवरी में 186 में से 21 सुरक्षा कर्मी, 227 में से 18 सुरक्षा कर्मी शामिल है। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने जनवरी माह में 103, फरवरी माह में 107 तथा मार्च माहमें 129 खाड़कुओं को गिराया जबकि पिछले वर्ष जनवरी में 80, फरवरी में 81 तथा मार्च में 157 खाड़कु मारे गए।	
60 बोरी हस्क सहित 3 व्यक्ति गिरफ्तार	
चंडीगढ़। स्थानीय पुलिस ने बलबीर सिंह उर्फ बीर सिंह जालंधर निवासी, तरसेम चन्द बिलासपुर निवासी व करनैल सिंह होशियारपुर निवासी को सेक्टर 45, 46, 32 व 33 के चौ. से एक ट्रक डीआईसी 3302 में 60 बोरिया हस्क ले जाते हुए गिरफ्तार किया तथा ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है।	
ले. जनरल जोशी नए सेनाध्यक्ष	
नई दिल्ली। ले. जनरल पीसी जोशी भारत के नए सेनाध्यक्ष होंगे। यह घोषणा आज यहां रक्षा मंत्रालय ने की है। ले. जनरल पीसी जोशी पश्चिमी कमान के आफिस कमांडिंग इन चीफ हैं। 30 जून को वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल रीड़िक्स का स्थान लेंगे। श्री जोशी की उनकी सेवाओं के लिए सरकार परम विशिष्ट सेना पदक प्रदान कर चुकी है।	

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा	
1860:	पहली बार मनुष्य की आवाज का अंकन किया गया।
1965:	कच्छ के रण में भारत-पाक में युद्ध खिड़ा।
1988 :	ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1989:	एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजटा जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
1998:	सऊदी अरब में गीना के पास मगदव में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
1999:	नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
2002:	बहरीन में निराम चुनाव में महिलाओं को गै मांग लेने की छूट मिली।
2003:	स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलेने वाले खिलाड़ी बने।
2004:	ईराक में संघर्ष तेज पर अमेरिकी काफिले पर हमले में 9 लोगों की मृत्यु। पूर्वांगल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के कई आपराधिक मामलों में वाशित माफिया सृष्टिगत अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण सम्बन्धी आदेश की पुनः समीक्षा करके को रद्द।
2005:	ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिलेा के साथ सम्पन्न।
2006:	यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा
	वलर्य होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
2008 -	उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कौण्ठियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को टैट से मुक्त किया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2007-०8 में अपने कारोबार में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत की वृद्धि की।
2010 -	जम्मू-कश्मीर की विधान सभा ने अंतर शिला भर्तियों पर पाबंदी लगाए जाने संबंधी विवादित विधेयक पारित हो गया।
1933 -	प्रतिमा देवी (अग्निदेवी) - कण्ड सिनेमा की प्रसिद्ध भारतीय अग्निदेवी थी।
1893 -	राहुल सांकृत्यायन- हिन्दी के एक प्रमुख साहित्यकार थे।
1916 -	एस. ओबुल देवू - आंध्र प्रदेश के एवं राज्यापाल थे।
1929 -	शरण रानी - 'हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत' की विद्वान और सुप्रसिद्ध संघटनदात्री
1948 -	जया बच्चन - अग्निदेवी।
1954 -	जयराज रमेश, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री।
1964 -	तीर्थ सिंह रावत - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।



नवनीत मिश्र: कभी जो भाजपा
गठबंधन सहयोगियों के दबाव में पार्टी के कोर एजेंडे से दूरी बनाकर न्यूनायन साझा कार्यक्रम पर सरकार चलाने को

मजबूर हुआ करती थी, वही आज 240 सीटें होने के बाद भी वतक संघीयन जैसे विधेयक पास करा ले जाती है। जैसे तेवर 2014 में 282 और 2019 में 303 सीटों के समथ थे, वही तेवर 2024 में भी है।
इशकरण सिंह भंडारी: सोमवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। एक समय सेसेक्स 2,700 अंकों तक गिर गया और निफ्टी 22,000 के नीचे आ गया था विभिन्न सेक्टरों के शेयर आठ प्रतिशत तक गिर गए। ट्रप के टैरिफ वार का प्रभाव भारत पर दिखने लगा है। एहन है आगे क्या होगा ?
मनीष तिवारी: अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम तेजी से गिर रहे है। अभी यह 64 डॉलर प्रति बैरेल पर बिक रहा है। तो सरकार इसका फायदा उभोवाताओं को क्यों नहीं दे रही है ?
डायनामिक प्रवासिण प्रणाली का क्या हुआ ?

पंजाबी सिनेमा को मिलेगी विश्व पटल पर पहचान

पंजाबी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल लॉस एंजेलिस ‘पिप्ल्हा हॉलीवुड’ में दिखेगी पंजाबी सिनेमा की विरासती झलक

80 के दशक में महाभारत में धृतराष्ट्र का किरदार जीवंत करने वाले गिरिजा शंकर की पहल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ 7 अप्रैल। पंजाबी सिनेमा को मिलेगी विश्व पटल पर पहचान मिलेगी। पंजाबी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल लॉस एंजेलिस ‘पिप्ल्हा’ में पंजाबी सिनेमा की विरासती झलक देखने को मिलेगी। वरिष्ठ अभिनेता और सांस्कृतिक प्रवर्तक गिरिजा शंकर ने पंजाबी सिनेमा, कला और संगीत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए इस नई पहल की अगुवाई कर रहे हैं। सोमवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में इस बारे में जानकारी देते हुए गिरजा शंकर ने बताया कि यह वार्षिक उत्सव हॉलीवुड के केंद्र में पंजाबी संस्कृति का उत्सव है, जिसका उद्देश्य है पश्चिमी दर्शकों के साथ पंजाबी विरासत की समृद्ध परंपराओं को साझा करना। उन्होंने आगे बताया कि



पिप्ल्हा हॉलीवुड न केवल पंजाबी और उत्तर भारतीय समुदाय की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देता है, बल्कि दुनियाभर के कलाकारों को हॉलीवुड के साथ सहयोग का अवसर भी प्रदान करता है। यह उत्सव फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्म्स के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करता है जैसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म, निर्देशक, अभिनेता,

संगीतकार व गायक आदि। इस फेस्टिवल के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कहानियाँ कहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं ड़्ड ताकि पंजाबी सिनेमा सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक पहचान बना सके। यह गिरिजा शंकर है, पटियाला पंजाब में पर्याप्त थिएटर करने के बाद में मुंबई चला गया और मुंबई में

सभी बेहतरीन निर्देशकों और लेखकों के साथ थिएटर का अभ्यास करता रहा। थिएटर करते समय, मुझे टेलीविजन में काम करने का मौका मिला और मैंने बुनियाद नामक धारावाहिक में काम किया, जिसे विश्व प्रसिद्ध निर्देशक रमेश सिप्पी ने निर्देशित किया था। फिर मुझे महाभारत में काम करने का मौका

मिला, जो दुनिया की सबसे अच्छी टेलीविजन श्रृंखला थी, जिसका निर्माण और निर्देशन भी आर चोपड़ा ने किया था, जो पूरी दुनिया में लोकप्रिय थी, मैंने धृतराष्ट्र नामक अंधे राजा की भूमिका निभाई थी, और उसके बाद रामानंद सागर द्वारा बनाई गई एक और बहुत बड़ी और लोकप्रिय टीवी धारावाहिक अलिफ लैला .. फिर मैंने बी आर चोपड़ा, रामानंद सागर रमेश, सिप्पी महेश, भट्ट, राम गोपाल, वर्मा और कई अन्य लेखकों और निर्देशकों के साथ कई फिल्मों में काम किया। मैं कई वर्षों से वहां हूं और जब मैं वहां था, मुझे लगा कि हमारे पंजाबी सिनेमा और संगीत और लोक कलाओं को अमेरिका, कनाडा, यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों जैसे पश्चिम द्वारा देखा और सराहा जाना चाहिए, इसलिए मैंने पंजाबी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, लॉस एंजिल्स की स्थापना की। हॉलीवुड और अब समय आ गया है कि हम अपनी कहानियों को पिफ्ला हॉलीवुड नामक इस मंच के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाएं।

अर्थ प्रकाश संवाददाता

“चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी की महिला विंग की प्रधान और पार्षद प्रेमलता द्वारा केंद्र सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी और चंडीगढ़ प्रशासन और निगम द्वारा जनता के ऊपर टैक्स और जुर्माने में भारी भरकम बढ़ौतरी पर रोष जताया। चंडीगढ़ नगर निगम और प्रशासन जनता के प्रति अपनी ड्यूटी और सेवाएं देने में तो विफल हो रहा है साथ ही अपने कर्मचारियों तक को भी तनख्वाह देने में असमर्थ हो चुका है लेकिन चंडीगढ़ की जनता के ऊपर यां फिर् नए नए टैक्स और जुर्माने लगाए जा रहे हैं जबकि चंडीगढ़ की मेयर ने जनता के साथ झूठे वायदों की बरसात कर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने भी जख्मों पर नमक छिड़कते हुए घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी वृद्धि कर दी जिससे आम आदमी को तो महंगाई की वजह से कमर ही टूट गई। अभी हाल ही में चंडीगढ़ का



बिजली विभाग जोकि फायदे में चल रहा था उसको प्राइवेट कंपनी को बेच कर अपनी जिम्मेदारी से भाग निकले फिर कमर्शियल प्रॉपर्टी और रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी टैक्स में तीन से चार गुना बढ़ौतरी कर दी अब यदि कोई अपनी प्रॉपर्टी में जरूरत के अनुसार थोड़ा सा भी बदलाव करे तो पहले से दो सौ गुना जुर्माना भुगतान के लिए तैयार हो जाए। जब कोई सरकार सिर्फ और सिर्फ भारी टैक्स और जुर्माने से अपना प्रशासन चलाने की कोशिश करे तो समझो उन्होने अपना विवेक हथ दिया है। प्रशासन के अनुसार जुर्माने की राशि दो सौ गुना करने के लिए उन्होंने अर्द्धाई साल इस पर विमर्श किया लेकिन मैं पूछना चाहती हूं कि जब

निगम की मीटिंग में आनन फानन में डॉिंग ग्राउंड की सफाई के लिए जो अवास्तविक लागत वाला टेंडर हाउस में पास करवाने के लिए लाया गया था उसको किस किस ने कितना समय लगा कर उस की जांच की थी जबकि उसके पास होने पर निगम को सैंकड़ों करोड़ों का नुकसान हो जाता । निगम और प्रशासन को चाहिए कि वो अपने आय के लिए वार्षिक कार्य योजना को तैयार कर उसमें अपनी आय में बढ़ौतरी करे ना कि जनता के टैक्स बढ़ा कर नए टैक्स लगा कर या भारी जुर्माने लगा कर निगम और प्रशासन यदि जनता का भला करना चाहते हैं तो उनको अपनी कार्यशैली में में सुधार लाना होगा और सबसे पहले उनको सैंकड़ों करोड़ों का बकाया टैक्स की वसूली की योजना बनानी होगी जिसमें प्रॉपर्टी टैक्स, लाइसेंस फीस, लीज फीस, वाटर बिल, सीवरेज सेस आदि है। इसमें भारी टैक्स के भुगतान का बकाया निगम और प्रशासन के अपनी बिल्टिंस के ऊपर है।

कामदा एकादशी व्रत से भक्त की होती है सभी कामनाएं पूरी

हिन्दू धर्म में हर महीने में 2 बार एकदादशी का व्रत किया जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ मानी जाती है। पंचांग के अनुसार, हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कामदा एकादशी व्रत करने से साधक के जीवन में सुख- समृद्धि का वास बना रहता है। सनातन धर्म में एकदशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। सालभर में कुल 24 एकादशी तिथि पड़ती हैं जिनका अलग-अलग महत्व माना जाता है। इन्हीं में से चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहा जाता है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इस दिन उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। कामदा एकादशी का व्रत करने वाले साधक के सभी पाप नष्ट होते हैं और उसकी हर कामना पूरी होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है।



हालाँकि जो लोग एकादशी का व्रत नहीं रखते हैं वे भी इस दिन नियमों के साथ पूजा अर्चना करते हैं। अगर पूजा के दौरान भगवान विष्णु को कुछ विशेष चीजें चढ़ाई जाएं तो इसका पूरा फल आपको प्राप्त होता है। इस साल कामदा एकादशी का व्रत 8 अप्रैल सोमवार को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूरे विधि विशेष से पूजा की जाएगी और व्रत रखा जाएगा। हर साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा

एकादशी का व्रत होता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। पंडितों के अनुसार कामदा एकादशी पर व्रत रखने और पूजा करने से सुख, शांति, धन और खुशियां मिलती हैं। शास्त्रों के अनुसार कामदा एकादशी का व्रत करने वालों को फल के रूप में भगवान श्रीहरि सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इस दिन विष्णु रूप से भगवान विष्णु की पूजा करने का नियम है।

शास्त्रों के अनुसार आर्थिक

अमेजन.इन पर शानदार डील व ट्रीट के साथ बनाएं नेशनल पेट डे को और भी खास

चंडीगढ़। इस साल नेशनल पेट डे पर, अमेजन.इन आपके सबसे प्यारे दोस्त को पैम्पर करना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना देगा। अमेजन ने आपके पेट के लिए 11 से 14 अप्रैल के बीच एक खास स्टोर पेश किया है। इस स्टोर में पेट के लिए जरूरी चीजों का बेहतरीन संग्रह पेश किया गया है। यहां आप एक ही जगह पर कई तरह के उत्पादों को देख सकते हैं, जिनकी मदद से आप आसानी से और सुविधाजनक रूप से अपने पेट की देखभाल कर सकेंगे। यहां पौष्टिक ट्रीट और मजेदार खिलौनों से लेकर प्रीमियम ग्रूमिंग

प्रोडक्ट और उनकी रोजमर्रा की जरूरत के सामान तक सब कुछ उपलब्ध है। इस स्टोर पर पेड़ों, डरूल्स, रॉयल कैनिन, मूची, फार्मिना, हिमालया आदि जैसे टॉप ब्रांडों के प्रोडक्ट एक ही जगह पर उपलब्ध हैं। तेज और भरोसेमंद डिलीवरी के साथ, अपने पेट के लिए खरीदारी करना अब पहले से कहीं ज्यादा मजेदार और सुविधाजनक हो गया है। ग्राहक अमेजन पे के साथ शानदार बचत का मजा भी उठा सकते हैं, साथ ही प्रारम्भ मैबर्स के लिए, हजारों पेट प्रोडक्ट पर सेम डे डिलीवरी का विकल्प मिलता है।

न्युवोको विस्टास को वरडाज सीमेंट के अधिग्रहण की मंजूरी मिली
चंडीगढ़। माननीय नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), मुंबई बैंच ने इन्स्टॉक्वेंसी एंड बैक्रेप्सी कोर्ट, 2016 (आईबीसी) के तहत कोर्पोरेट इन्स्टॉक्वेंसी प्रक्रिया में वरडाज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण के लिए न्युवोको विस्टास को वीसीएल के लिए न्युवोको विस्टास को वीसीएल द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने इस संबंध में एक विशेष आदेश जारी किया है। समाधान योजना में 1,800 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान शामिल है। न्युवोको को अपने कंसेलिटेड डेट स्ट्रॉर में उल्लेखनीय वृद्धि के बिना ट्रांजेक्शन को फंड देने का इशारा रखती है। यह अधिग्रहण

अमेज़न पे के एक्सक्लूसिव डील्स और रिवाँर्ड्स के साथ प्लान करें अपनी परफेक्ट समर वेकेशन

चंडीगढ़। गर्मियां आ गई हैं, यह आपके सपनों की छुट्टियों को प्लान करने का सही समय है! चाहे आपको समुद्र किनारे बीच पर जाना हो, पहाड़ों में सुकून चाहिए या किसी शहर में रोमांचक सफर करना हो, अमेजन पे आपकी यात्रा को आसान, किफायती और फायदेमंद बनाता है। 7 अप्रैल से, आप अमेज़न पे के जरिये फ्लाइट्स, होटलों और मूवी टिकट्स की बुकिंग पर बड़ी बचत कर सकते हैं। इतना ही कई खास ऑफ़र्स के साथ अमेज़न पे आपको समर प्लानिंग को और भी आसान बनाएगा। आप यात्रा कर रहे हों या बेहतर जगह घूम्ने की योजना बना रहे हो, या समर सीजन की

खरीदारी कर रहे हो, Amazon Pay आपको कम खर्च में ज्यादा आनंद लेने में मदद करेगा। तो, अपना सामान पैक करें, सनस्क्रीन लें, और Amazon Pay के साथ अपनी पसंदीदा समर डैस्टिनेशन को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हो जाएं!बुक करें फ्लाइट्स और पाएं जबदस्त छूट- अमेज़न पे के साथ अपनी समर ट्रिप की शुरुआत करें और सभी एयरलाइंस की टिकट बुकिंग पर 25 प्रतिशत तक की छूट पाएं, जिनमें Indigo, Air India, Air India E&press, SpiceJet, Akasa, और Alliance Air शामिल हैं।

आईआईएफएल फाईनैस द्वारा 10.25 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के कूपन के साथ बॉन्ड्स जारी करके 500 करोड़ एक्त्रित किए जाएंगे

चंडीगढ़। अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाईनैशल कंपनी (एनबीएफसी), आईआईएफएल फाईनैस लिमिटेड द्वारा 10.25 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के कूपन के साथ बॉन्ड्स के पब्लिक इश्यू द्वारा 500 करोड़ रुपये एक्त्रित किए जाएंगे। एक्त्रित किए गए फंड का उपयोग आगे ऋण देने, फाईनैसिंग एवं सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इन एनसीडी? को क्राइसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्राइसिल एए/स्टेबल रेटिंग और आईसीआरए लिमिटेड द्वारा आईसीआरए एए/स्टेबल रेटिंग दी गई है। इन रेटिंग्स के डिबेंचर्स को वित्तीय दृष्टिकोण की समय पर सर्विसिंग के लिए काफी ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इस तरह के डिबेंचर्स का क्रेडिट रिस्क काफी कम होता है। ये इश्यू सोमवार 7 अप्रैल, 2025 से मिलना

चारों ओर शान्ति हो, सुकून हो

जितने भी गुरु-पौर-पैगम्बर हुए वे सब समूची यमानवता के लिए हुए। जो महापुरुष हिन्दुस्तानी संस्कृति में पले, उनका पहलावा वैया रहा। जो किसी रेगिस्तानी क्षेत्र में पैदा हुए, पले उनकी भाषा व पलनावा वैया ही रहा। जो ऊँची पहाड़ियों में पैदा हुए, उन्होंने वहीं की संस्कृति खान-पान के साधन अपनाए। लेकिन संस्कृतियों के अलग-अलग होने के बावजूद उनकी मान्यताओं में कभी कोई अन्तर नहीं आया। खान-पान, भाषा, पहनावे आदि की भिन्नता के कारण उन्होंने कभी कोई परया नहीं माना और न ही कभी स्वयं को वल्ड फैमिली (विश्व परिवार) से अलग माना। हमें भी इसी दृष्टि को अपनाना है जो न महापुरुषों ने अपनाई। हम भी भले ही अलग-अलग संस्कृतियों में जन्मे पले हैं, लेकिन इन कारणों से हम बंट नहीं, जुदा न हों, दूसरों को नफरत की निगाह से न देखें। संकीर्णता से न देखें, गैरे-काले के भेद में न पड़े, क्योंकि ये सभी भेद बमानी है। हम सभी यह जान जाये कि-माटी एक अनेक भाति करि साजी साजनहारे।

यानी शरीर के रंग तो अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सभी एक



ही मिट्टी से बने हैं। आज यहाँ से (निरंकारी मंच से) यही आवाजें बुलन्द की जा रही हैं कि चारों ओर शान्ति हो, सुकून हो। इन आवाजों के साथ-साथ ऐसी भावनाओं को लागू करने के लिए आप वफादार भी हैं। आज संसार में और भी अनेक ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जहाँ से भाईचारे की आवाजें आ जाती हैं, लेकिन वे केवल आवाजें ही रह जाती हैं क्योंकि उनका खुद का कर्म इसके विपरीत होता है। ऐसे कर्म, जो पहल चुड़े भी होते हैं, उन्हें भी वे अलग कर देते हैं, लोग उनमें भी दुरियाँ पैदा कर देते हैं। आज जहाँ जोड़ने वाली आवाजों को बुलन्द करने की आवश्यकता है, वहाँ यह भी आवश्यकता है कि उन पर एक्शन (कार्य) भी हो, उनका फालो-अप (अनुकरण) भी हो। आप सन्तजन-भक्तजन जहाँ भाईचारे का एक

विधायक कृष्णा गहलावत के नेतृत्व में राई हलके के सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 संकल्पों की अनुपालना पर भाजपा नेता माई राम कौशिक ने दिया जोर

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

राई/सोनीपत। राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के भाई माईराम कौशिक के नेतृत्व में भाजपा के जिला कार्यालय में राई हलके के सक्रिय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया। उत्साह व नये संकल्पों के साथ आयोजित किये गये राई के सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में

राजीव जैन ने अनाज मंडी में गेहूं खरीद का लिया जायजा

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने अनाज मंडी में पहुंचकर गेहूं खरीद का जायजा लिया और मार्केटिंग बोर्ड, भारतीय खाद्य निगम संजय वर्मा के साथ खरीद व्यवस्था देखने के बाद व्यापारियों से बैठक कर समस्याएं सुनीं। दुलाई के ठेकेदार सतीश माथुर ने भारतीय



खाद्य निगम के गोदाम के सामने सड़क पर डिवाइडर होने के कारण बड़े ट्रक मुड़ने की समस्या रखी, जिसपर राजीव जैन ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रशांत कौशिक से बात की और समस्या का समाधान करवाने के निर्देश दिए।



ने शासन और नागरिकों में कर्तव्य के महत्व पर जोर दिया है। देशभर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 100 मिलियन घरेलू शौचालयों का निर्माण कराया गया, साठ हजार से अधिक बच्चों की वार्षिक मृत्यु दर में कमी आई। इस मिशन से न केवल

राजीव जैन ने अनाज मंडी में गेहूं खरीद का लिया जायजा

फोन करके इन समस्याओं का समाधान करवाने के निर्देश दिए। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि सारे निर्माण कार्यों का 4 करो? 60 लाख रूपये का एस्टीमेट तैयार करके मुख्यालय भेजा हुआ है।

राजीव जैन ने आगे बताया कि मार्केटिंग बोर्ड मीठे पानी कि सप्लाई के लिए नगर निगम में आवेदन भेज दे, पानी सप्लाई की सम्भावना बारे निगम अधिकारियों से चर्चा करके करवाया जायेगा। बैठक में प्रदीप बंसल, प्रवीण गोयल, रंश जैन, महावीर जैन, पवन बंसल, टीनु कुच्छल, अशोक गुप्ता, वेदपाल, महेंद्र गौहिल, अशोक बंसल, संजय सहारा, अनुज गां, मुकेश गुप्ता, विनोद गर्ग आदि सैमंडे व्यापारी उपस्थित रहे।

बुराइयां किसी को नहीं अपनाती हैं बल्कि व्यक्ति ही इनको अपनाता है: मुनिश्री विनय कुमार जी

सुनाम। जिंदगी उतनी ही खूबसूरत और सार्थक बनती जाएगी जितना की अच्छी और सार्थक चीजों को हम अपने जीवन में उतारते चले जाएंगे। विश्वास आस जगाता है, विश्वासघात आघात देता है। एक तरफ विश्वास घर-परिवार, समाज, देश और दुनिया से जोड़ता है तो दूसरी तरफ विश्वासघात अंदर तक तोड़ता है। भूल होना स्वाभाविक है लेकिन एक भूल को बार-बार दोहराना अस्वाभाविक ही नहीं, बरन गलती और अपराध की श्रेणी में आता है। खूबसूरत बनने के लिए खूबसूरत करना पड़ता है और खूबसूरत करने के लिए खूबसूरत सोच सृजित करनी पड़ती है और खूबसूरत सोच का दूसरा नाम खूबसूरत विचार है और खूबसूरत विचार खूबसूरत संस्कार से आते हैं और खूबसूरत संस्कार ही जीवन के सार हैं। बुराइयां कभी इंसान को नहीं अपनाती बल्कि इंसान ही बुराईयो की तरफ दौड़ा जाता है और उन्हे अपनाता है। ये शब्द मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक ने गौरा लाल एंड कंपनी खडियाल रोड सुनाम में कहे।

मनीषीसंत ने आगे कहा किसी अच्छे व्यक्ति और बुरे व्यक्ति में जो बड़ा अंतर है वह यह है कि अच्छा व्यक्ति बदले में साथ देता है और बुरा व्यक्ति सबक देता है। मोमबत्ती को अंधकार के समय में ही याद किया जाता है ठीक वैसे ही जैसे किसी सीधे सरल मित्र को संकट के समय याद किया जाता हैक् योंकि उस पर विश्वास होता है लेकिन यह त्रासदी है कि ऐसा मित्र केवल संकट के समय में ही पास होता है। जिंदगी का दूसरा नाम परिवर्तन है। आज जो सत्य दिखाई दे रहा है वह कल को झूठ हो सकता है। जिंदगी को एक नदी समझिए और उसे बहते रहना जरूरी हैक् योंकि बहने से ही वह एक दिन सागर बन

पंचांग
बुधवार, 9 अप्रैल, 2025,
सूर्योदय: 06:02 ए एम,
सूर्यास्त: 06:44 पी एम,
चन्द्रोदय: 03:40 पी एम,
चन्द्रास्त: 04:34 ए एम, अप्रैल 10,
शक सम्वत: 1947
विश्वाम्सु, विक्रम सम्वत: 2082
कालयुग, गुजराती सम्वत: 2081
नल, अमान महीना: चैत्र,
पूर्णमान्त महीना: चैत्र,
वार: बुधवार, पक्ष: शुक्ल पक्ष,
तिथि: द्वादशी - 10:55 पी एम
तक, नक्षत्र: मघा - 09:57 ए एम तक,
योग, गण्ड: गण्ड: 06:26 पी एम तक,
करण: बव - 10:00 ए एम तक,
द्वितीय करण, बालव - 10:55 पी एम तक,
सूर्य राशि: मीन, चन्द्र राशि: सिंह,
राहुकाल: 12:23 पी एम से 01:58 पी एम,
गुलिक काल: 10:48 ए एम से 12:23 पी एम,
यमगण्ड: 07:37 ए एम से 09:12 ए एम,
अभिजित मुहूर्त: कोई नहीं,
दुर्मुहूर्त: 11:57 ए एम से 12:48 पी एम,
अमृत काल: 07:21 ए एम से 09:05 ए एम,
अमृत काल: 05:21 ए एम,
अप्रैल 10 से 07:07 ए एम, अप्रैल 10

भविष्य फल	
-----------	---

मेष:	सब कुछ अपनी सामान्य गति से चलता रहेगा। नौकरापेशा जातकों को नवीन अवसर की प्राप्ति हो सकती है।
वृष:	आज आपको आनक से कुछ ऐसा हासिल होगा, जिसकी आपको बहुत दिनों से तलाश थी। आप पूरे दिन नई ऊर्जा से भरे रहेंगे।
मिशुन:	डिजनेस में आनक धन लाभ के योग बन रहे हैं। पार्टनर का सुझाव आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।
कर्क:	आज का दिन परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा व्यतीत होगा। प्राचीन यादों को जेहन में जड़ि कर दोस्ती को फिर से तरोताजा करने का वक़्त है।
सिंह:	यदि आप सहयोग लेने के इच्छुक हैं तो आपके वरिष्ठ आपकी हर संभव सहायता करेंगे। कुछ नए परिचितों द्वारा धोखा खाने से बचने के लिए अपने विकल्पों को समझदारी से चुनना होगा।
कन्या:	आज समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप किसी सामाजिक कार्य का हिस्सा बनेंगे।
तुला:	आपकी इच्छाएं पूरी भी हो जाएंगी। प्रमोशन मिलने के पूरे चांस भी बन रहे हैं। किसी भी तरह का मौका न जाने दें।
वृश्चिक:	आगर आज आप किसी सामाजिक समारोह में जा रहे हैं तो वहां आपको बहुत से लोगों से मिलने का मौका मिलेगा।
धनु:	इस बार अपने चातुर्य से अपने सारे अटूट काम को पूरा कर लेंगे। जीवनसाथी से सहायता मिल सकती है।
मकर:	आज रोजमर्रा के कामों में थोड़ी रूकावटें आ सकती हैं। किसी मसले को लेकर आप असहमत हो सकते हैं।
कुंभ:	करियर संबंधी कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है। पुराने विवाद भी सुलझाने की कोशिश करेंगे और स्थिति अपने फेवर में कर लेंगे।
मीन:	मीन राशि वाले आज आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। दबी हुई समस्याएं फिर से उभरकर आपको मानसिक तनाव दे सकती हैं।

अवैध खनन में संलिप्त ट्रैक्टर–ट्राली से 2 लाख 15 हजार जुर्माना वसूला

ने कहा कि मोदी सरकार ने समावेशी विकास के तहत देश के हर वर्ग और क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार उन्मूलन को अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाया। डिजिटल इंडिया और डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर ने सब्सिडी और लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कानून के शासन को बनाये रखने, संविधान का पालन करने और सभी नागरिकों के लिए समान न्याय सुनिश्चित करने का अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीयों को औपनिवेशिक मानसिकता के बंधनों से मुक्त करने

पर बल दिया। इस दौरान सोनीपत के विधायक निखिल मदान भी सम्मेलन का हिस्सा बने और उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मेलन में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इनमें प्रमुख रूप से सभी मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, विकास कौशिक, शेखर आतिल, इंद्र चौहान, सतनारायण आतिल, योगेश, नंदकिशोर चौहान, विक्रांत चौहान, जिला पार्षद नरेंद्र लाला, जेपी रेवली, अमित नाहर, जययाम सरपंच, दीपक मुकीमपुर, नीरज रेवली,नरेंद्र खेवड़ा आदि शामिल रहे।

अवैध खनन में संलिप्त ट्रैक्टर–ट्राली से 2 लाख 15 हजार जुर्माना वसूला

अवैध खनन से जुड़ी गतिविधियों पर की जा रही 24 घंटे निगरानी

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिला खनन अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि अवध खनन के संबंध में गांव पबनेरा में युमना नदी से पूर्व में पकड़े गए ट्रैक्टर-ट्राली को कि संदीप पूत्र सूरजभान गांव पबनेरा के नाम पर दर्ज है। उनसे 2 लाख 15 हजार रूपये जुर्माना वसुलने के बाद ट्रैक्टर-ट्राली को छोड़ा गया। जुर्माना राशि को सरकारी खजाने में जमा करवा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अगर किसी नागरिक को अवैध खनन के बारे में जानकारी मिलती है तो वह इसकी सूचना खनन विभाग कार्यालय में दे सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। सरकारी आदेशों के मद्देनजर अवैध खनन से जुड़ी तमाम गतिविधियों पर कड़ी निगरानी का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि अगर कोई खनन वाहन बिना ई रवाना के पाया जाता है तो उसके खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्रवाई अमल में लाई जाती है। उन्होंने आमजन से भी अवध खनन पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाने के लिए सहयोग देने का आह्वान किया है।

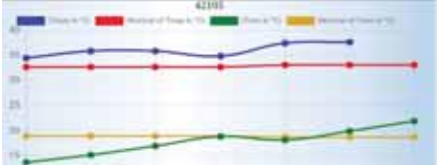
दोपहर के समय 39 डिग्री पहुंचा पारा, दो दिन बाद बारिश के संकेत

पंचकूला प्रशासन की हीट वेव को लेकर चेतावनी, खूब पीयें पानी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। अप्रैल महीना शुरू होते ही धरती ने भी आग जालना शुरू कर दिया है। पिछले तीन दिन से दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री पर पहुंच गया। गर्मी के यही हालात रहे तो अगले हफ्ते गर्मी का पारा 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। जिसे देखते हुए पंचकूला प्रशासन ने नागरिकों को गर्मी से बचने के लिए सावधान किया है। उधर, मौसम विभाग की माने तो 10 अप्रैल से 13 अप्रैल तक बारिश होने की संभावना है। इसके बाद पारा चढ़ना शुरू होगा। डीसी मोनिका गुप्ता ने गर्मी के दौरान बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की सलाह दी है। खास तौर पर गर्भवती महिलाएं, शारीरिक रूप से बीमार लोग, हृदय रोग या उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग विशेष ध्यान रखें। अकेले रहने वाले बुजुर्ग या बीमार लोगों की निगरानी की जानी चाहिए। डीसी ने कहा कि अपने घर को ठंडा रखें, पंखें, शटर या सनशेड का उपयोग करें और दिन के दौरान निचली मॉडिल पर रहने की कोशिश करें। ठंडक पाने के लिए पंखा, खो बोलतल, नम कपड़े, बर्फ के तौलिये का इस्तेमाल करें। हीट स्ट्रेस कांडिडोसिस्कुलर बीमारी जैसी पुर्ण बीमारियों को भी बढ़ सकता है

हीट वेव में क्या करें : टखने से ऊपर 20 डिग्री सेल्सियस के पानी में पैर डुबोने से तुरंत आराम मिलता है। डीसी ने कहा कि धूप में बाहर निकलने से बचें। अपरिहार्य स्थिति में दोपहर में बाहर निकलने पर ज़ोरदार गतिविधियों से बचें। न्नी पैर बाहर न निकलें। गर्मियों के चमक घंटों में खाना पकाने से बचें। दरवाजे खोलें और शराब, चाय, कॉफी और



हीट स्ट्रेस के लक्षण
चक्कर आना या बेहोशी, अत्यधिक प्यास, मतली या उल्टी, मूत्र में कमी, सिरदर्द, तेजी से सांस लेना। यदि आप या अन्य लोग अस्वस्थ महसूस करते हैं और उपरोक्त में से कोई भी लक्षण अनुभव करते हैं तो तुरंत किसी ठंडी जगह पर चले जाएं और तरल पदार्थ पानी या लिफ्टिड पीयें। यदि गर्मी की एटन एक से अधिक समय तक रहती है, तो चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। खतरों के संकेतों से अवगत रहें और तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

दो दिन बाद करवट लेगा मौसम

मौसम विभाग की माने तो मौसम 10 अप्रैल को करवट ले सकता है। गुरुवार से आसमान में बादल छाए रहें और दोपहर के बाद बारिश के हल्लात बन सकते हैं। यह सिलसिला 12 अप्रैल तक चलेगा। इसके बाद फिर तापमान बढ़ेगा। 13 अप्रैल को अधिकतम तापमान 37 और अगले दिन 39 पार जाने की संभावना है। अगले हफ्ते हीट वेव अपना असर दिखा सकता है।

कार्बोनेटेड शीतल पेय या ड्रिंक से बचें, क्योंकि इससे शरीर का ज्यादा तरल पदार्थ निकल जाता है या पेट में दर्द हो सकता है। उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी खाना न खाएं। बच्चों या पायल्ट जानवरों को पार्क की गई गाड़ी में न छोड़ें।

प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को पंजीकरण करवाना अनिवार्य : मोनिका गुप्ता



पंचकूला (अप्रस)। डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि जिला में चल रहे सभी प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को एन.सी.पी.सी.आर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट) की हिदायतों के अनुसार चलाया जाना चाहिये । डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि NCPCR.GOV.IN साइट पर प्राइवेट प्ले वे स्कूलों के लिए हिदायते उपलब्ध करवाई गयी हैं। जिला पंचकूला में चल रहे प्राइवेट प्ले वे स्कूली का एस.सी.पी.सी.आर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राइट) की हिदायतों की पालना सुनिश्चित करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया जाना अनिवार्य है। इसके लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती सीमा रोहिला, महिला एवं बाल विकास को सक्षम अधिकारी अधिकृत किया गया है। जिला के जिन प्राइवेट प्ले वे स्कूलों ने पंजीकरण नहीं कराया है वो जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें ।

नगर कौंसिल ने दो प्रोजेक्टों के फलैटों की रजिस्ट्रियों पर लगाई रोक

कब बंद होगी बिल्डरों द्वारा लोगों की मेहनत की कमाई की लूट



अर्थ प्रकाश /संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। जीरकपुर शहर में जगह-जगह पर अवैध निर्माण चल रहे हैं बहुत से बिल्डरों द्वारा प्लॉट में कोट्टी का नक्शा पास करवा कर उसमें फ्लैट बनाई जा रहे हैं तथा लोगों को गुमराह करके वह फ्लैट बेच भी जा रहे हैं और लोगों की मेहनत की कमाई को लूटा जा रहा है ऐसे ही गांव नभ में भी कुछ ऐसे प्रोजेक्ट हैं जिम कोठियों के नक्शे पास करवा कर बिल्डरों द्वारा फ्लैट बनाए जा रहे हैं जिनमें से बरकत होम तथा देवभूमि नमक ऐसे दो प्रोजेक्ट हैं जिनके संबंध में खबरें प्रकाशित होने के बाद नगर कौंसिल द्वारा इन पर कार्रवाईकी गई। जानकारी के अनुसार पहले

हमने नाथब तहसीलदार जीरकपुर को एक पत्र लिख दिया है जिसमें नाभा गाँव के बरकत होम्स तथा देवभूमि होम्स में बन रहे फ्लैटों के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है तथा नाथब तहसीलदार को इन प्लॉटों की रजिस्ट्री नहीं करने के लिए पत्र जारी किया गया है। यदि इसके बावजूद निर्माण कार्य को नहीं रोका जाता तो नगर कौंसिल जीरकपुर ऐसे प्रोजेक्ट को सील भी कर सकती है।

अशोक पथरिया कार्यकारी अधिकारी नगर कौंसिल जीरकपुर।

नगर कौंसिल अधिकारियों की गलती के कारण भोले भाले लोगों का नुकसान हो जाता है और उनकी उम्र भर की मेहनत की कमाई हाथ से चली जाती है ऐसे अरुंध रूप से बना रहे फ्लैट एक रात में तो बन नहीं सकते उन्हें बनाने में कई महीने का समय लगता है तो नगर कौंसिल अधिकारी उसे क्यों नहीं रोकते ऐसे मामले में नगर कौंसिल के एसडीओ तथा बिल्डिंग इंस्पेक्टर की जांच होनी चाहिए वर्योकि इनकी मिली भगत के बिना कुछ भी नहीं हो सकता।

उदयवीर दिल्ली अध्यक्ष नगर कौंसिल जीरकपुर।

तो इन प्रोजेक्ट के मालिकों को म्युनिसिपल एक्ट 1911 की धारा 195 डी का नोटिस निकल गया बिल्डर द्वारा फिर भी निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया और तीसरी मॉडिल का लेटर भी डाल लिया गया उसके बाद फिर खबरें प्रकाशित होने के बाद नगर कौंसिल द्वारा निर्माण कार्य बंद करवा दिया गया लेकिन इन फ्लैटों को सील करने जैसी कोई ठोस कार्रवाई फिर भी नहीं की गई जिसके चलते भोले भाले लोग ऐसे बिल्डरों की बातों में आकर फ्लैट खरीद लेते हैं लेकिन उन्हें बाद में पता चलता है कि उनके साथ तो ठगी हो गई।

न्यूज़ ब्रीफ

शहीद मंगल पांडेय प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार थे: हरिद्व



पंचकूला (अप्रस)। शहीद भगत सिंह जागृति मंच व सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर –19 के संयुक्त तत्वाधान में 1857 की क्रांति के महानायक शहीद मंगल पांडेय की 168वें बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वार्ड नंबर –8 के पार्षद हरेंद्र मलिक ने कहा शहीद मंगल पांडेय प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार थे। अंग्रेजों की ओर से दिए गए कारतूतों में गाय व सुआर की चर्बी का विरोध करने पर मंगल पांडेय ने विद्रोह का बिगुल फूंक कर अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दी थी। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य निर्मला दूल ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में शहीदों को समय-समय पर याद करने के लिए प्रेरित किया और मंच द्वारा किए गए देश भक्ति आधारित कार्यक्रमों की प्रशंसा की। मंच अध्यक्ष जगदीश भगत सिंह ने मंगल पांडे अमर रहे, भारत माता की जय के नारों के साथ माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मंच द्वारा छठी से दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करनेवाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं स्मृति –चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया जिससे बच्चों में और आगे बढ़ने का जज्बा पैदा हो। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंच अध्यक्ष जगदीश भगत सिंह,अमन मिश्रा,प्रधानाचार्य सुखदेव सिंह, नरेश कुमार, सुखदेव सिंह, हरमीत कौर एवं गायत्री देवी आदि उपस्थित रही।

हिरकोफेड द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सेमिनार

पंचकूला (अप्रस)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हरकोफेड द्वारा लोक निर्माण विभाग, सेक्टर–1, पंचकूला के सभागार में सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 250 अंगनवाड़ी कर्कस एवं अंगनवाड़ी सुपरवाइजरस ने भाग लिया। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है, जिसमें सहकारिता विभाग हरियाणा इस अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत पूरे वर्ष छोटे-बड़े हर दिवस पर पूरे हरियाणा में कार्यक्रम आयोजित करेगा। हरकोफेड जो सहकारिता विभाग हरियाणा की सहकारी संस्था है, वह सभी कार्यक्रमों का आयोजन करवाएगी। इस बार स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य थीम ने विश्व स्वास्थ्य दिवस को और भी खास बनाया क्योंकि इस थीम का लक्ष्य माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन रक्षा को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है और परिहार्य मातृ एवं शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। इस विषय पर सेमिनार में डॉ. छाया प्रसाद और श्रीमती शेफाली शर्मा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। जिन्होंने सेमिनार में उपस्थित सभी महिलाओं को इस ज्वलंत मुद्दे के विषय में बेहतरीन तरीके से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि महिलाओं और नवजात शिशुओं की भलाई सुनिश्चित करने और वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मातृ मृत्यु दर पर ध्यान देना अति आवश्यक है। जब महिलाएं गर्भ धारण करती हैं तो उन्हें क्या-क्या आहार लेना चाहिए और बच्चे का ख्याल कैसे रखना चाहिए। सेमिनार में विशेष अतिथि के रूप में पंचकूला इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष बेनु राव उपस्थित रही और महिलाओं को स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। मौजूद रही।

अलमाजोत कौर को मिस पीजीजीसीजी का खिताब



चंडीगढ़ (अप्रस) पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर 42 में स्नातक और परास्नातक कक्षा के विद्यार्थियों को भागीमोनी विदाई दी गई यह कार्यक्रम कॉलेज के सबरस ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया और छात्रों की यात्रा, प्रतिलिपियाँ और यादगार पलों के उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संजोचक डॉ. प्रो. दीपिका कंवल के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए उत्साहजनक माहौल बनाया। इसके बाद प्राचार्य प्रो. बीनू डोगरा ने प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास, जुनून और धैर्य के साथ भविष्य को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि छात्राएं कॉलेज के परिवार का हमेशा एक हिस्सा रहेंगी और अपने कॉलेज से आजीवन संबंध बनाए रखेंगी। विदाई समारोह में स्नातक और परास्नातक छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जो उनकी प्रतिभा और उत्साह का परिचायक थीं। सबसे खास आकर्षण फैशन शो रहा, जिसने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।

क्रेडिट कार्ड ब्लॉक की कॉल आई फिर खाते से निकले 1.30 लाख

ऑटो रिक्शा चालक से हुई साइबर ठगी के बाद पुलिस ने जांच शुरू की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। जिले में साइबर ठगी के मामलों ने आम व्यक्ति को सोचने पर मजबूर कर दिया है। साइबर ठग दंभ लगते ही बैंक अकाउंट खाली कर रहे हैं। पंचकूला के हरिपुर में ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां एक ऑटो रिक्शा चालक के खाते से साइबर ठगों ने 1.30 हजार रूपए साफ कर दिए। पुलिस अब ठग तक पहुंचने के लिए मोबाइल नंबरों को खंगाल रही है। जितेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि वह हरिपुर में परिवार के साथ रहता है और पेशे से ऑटो चलाता है। 5 अप्रैल को वह

घर पहुंचने तक खाते से निकले रूपए

जितेंद्र कुमार ने कहा कि वह रात करीब 8 बजे अपने घर हरिपुर पहुंचा तो उनके मोबाइल पर एक मैसेज 90510 रूपए कटने बारे था। फिर रात को 11 बजे करीब 40 हजार रूपए करने का मैसेज आया जो तब तक प्रोसेसिंग में था। अगले दिन उन्होंने कस्टमर केयर से बात की जिसके कुछ समय बाद खाते से 40 हजार रूपए भी निकल गए। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि उन्होंने इन दोनों ट्रांजेक्शन को नहीं किया और न ही किसी को ओटीपी बनाया। अज्ञात व्यक्ति ने बैंक कर्मचारी बन कर कुल 130510 रूपए की धोखाधड़ी की। साइबर थाना पुलिस ने जितेंद्र की शिकायत पर अज्ञात शख्स के खिलाफ बीपनएस की धारा 316(2), 318 (4) के तहत केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी।

मनीमाजरा में था। उसे मोबाइल पर शाम साढ़े 5 बजे एक कॉल आई। शख्स ने खुद को एक्सस बैंक का कर्मचारी बता कर कहा कि आपका एक्सस बैंक का क्रेडिट कार्ड ब्लॉक हो रहा है जिसको अपडेट करवा लीजिए। यह सुन कर उन्होंने बैंक के शख्स से उसकी आईडी मांगी। शख्स

ने अपनी आईडी भेज कर बताया कि वह मृत्युंजय बेहरा है। यह देखकर उन्हें विश्वास हो गया। शख्स के कहने पर उन्होंने बैंक की ऐप ओपन कर ली। इसके बाद उन्होंने ऐप में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भर दी। इसके बाद फोन कट कर दिया।

नौ गांवों के किसानों ने दशमेश नहर के लिए जमीन देने से किया इनकार, की नारेबाजी

सरकार ने धक्का किया, तो किया जाएगा संघर्ष : किसान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड । पंजाब सरकार की ओर से प्रस्तावित दशमेश नहर को लेकर शुरू की गई जनसुनवाई के तहत आज इस क्षेत्र के नौ गांव मच्छली खुर्द, गिहपुर, सोय माजरा, पत्तरां, चडियाला सूरन, तसौली, देवीनगर (अबरावां), मानकपुर और ऊंचा खेड़ा की बैठक अबरावां के गुरुद्वारा साहिब में हुई। इस अवसर पर सभी गांवों से 200 से अधिक किसान उपस्थित थे।

इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के एक्शन अधिकारी मन्मदीप सिंह चहल, एसडीओ सागर लांबा, एसडीओ मुकुल अग्रवाल, जिलाधीश हरप्रीत सिंह, एआरसी सतीश कुमार, कोमल मट्ट, पटवारी गगनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, चाणक्य, टिका सिंह तथा पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के मानव विज्ञान विभाग एवं सामाजिक प्रभाव अध्यन प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रोफेसर जेएस शेरावत के नेतृत्व में पूरी टीम, जो नहर के लिए संपूर्ण सामाजिक प्रभाव आकलन कर रही है तथा



अब जन सुनवाई कर रही है, उपस्थित थे।

इस मौके पर अबरावा का सरपंच गुरचरण सिंह, नरिंदर सिंह, सुबेदार बचन सिंह, सुबेदार धर्म सिंह, गिहपुर के पूर्व सरपंच जसविंदर सिंह पण्णा, मच्छली खुर्द के नंबरदार स्वर्ण सिंह, सोमाजरा के सरपंच हाकम सिंह, पत्तरां के नंबरदार प्रसन्न सिंह हुंदल, तसौली के कुलवंत सिंह ढंडी, चडियाला सूरन के जसप्रीत सिंह, लांडरां के पूर्व सरपंच गुरमुख सिंह, प्रो परविंदर सिंह आदि ने संभावित किया। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तावित दशमेश नहर के लिए भूमि के प्रावधान पर अपने-अपने गांवों का विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि वे नहर के लिए अपने गांव की

जमीन नहीं देंगे और यदि सरकार ने दबाव डाला, तो वे संघर्ष से भी पीछे नहीं हटेंगे। इस अवसर पर किसानों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

किसानों का कहना है कि इस क्षेत्र में जमीन बहुत कम है। रेलवे, भारत माला परियोजना और राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए यहां पहले ही जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है और अब नहर बनने से किसानों के पास खेती के लिए कोई जमीन नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि जब जमीन ही नहीं बचेगी, तो नहर का क्या उपयोग होगा? अधिकारियों ने किसानों की बात सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

केंद्र सरकार ने फिर से अधिभार लगाकर लोगों के ऊपर महंगाई का और बोझ बढ़ा दिया : माकपा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। भारत की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने पेट्रोल-डीजल के नाम पर जनता पर थोपे गए करों को हटाने तथा सभी आम लोगों को पहले की तरह साल में 12 सिलेंडर सब्सिडी पर उपलब्ध करवाने और तुरंत प्रभाव से बढ़ाए गए दामों को वापस लेने की मांग की है। माकपा नेताओं ने कहा कि हरियाणा के दौरान स्वयं प्रधानमंत्री ने लोगों को 500 रूपए में रसोई गैस का सिलेंडर देने का वायदा किया था। परन्तु अब मोदी सरकार इसके उलट काम कर रही है। माकपा का कहना है कि

माकपा नेता सतीश सेठी, एडवोकेट आर एस साथी, लच्छी राम शर्मा, वेद प्रकाश, करमचंद, अमर नाथ वर्मा व लक्ष्मण बतोड़ पूर्व सरपंच ने इस बढ़ोतरी का कड़ी आलोचना करते हुए सरकार से बढ़ाए गए दामों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। माकपा नेताओं ने कहा कि हरियाणा के दौरान स्वयं प्रधानमंत्री ने लोगों को 500 रूपए में रसोई गैस का सिलेंडर देने का वायदा किया था। परन्तु अब मोदी सरकार इसके उलट काम कर रही है। माकपा का कहना है कि

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में गिरावट होने पर लोगों को राहत मिलनी चाहिए थी। लेकिन मोदी सरकार ने ऐसा करने की बजाय तेल पर अधिभार लगा दिया है। ऊपर से सरकार का कहना कि इसका कोई असर लोगों पर नहीं पड़ेगा यह जनता को गुमराह करने वाला है। यही नहीं मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में कई बार पेट्रोल , डीजल व रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी कर लाखों करोड़ रुपए एकत्रित किए हैं। लोगों को जब काटकर निजी तेल कम्पनियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। माकपा ने कहा कि

जनता की जेब पर डाका, घरेलू गैस सिलेंडर रु50 महंगा: सुरेंद्र राठी



पंचकूला (सुनील सिंघाँ)। केंद्र की बीजेपी सरकार ने लोगों को बड़ बड़का देा हूए लोगों की रसोई का बजट बड़ दिया। आम आदमी पार्टी के अंबाला लोकसभा अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता सुंदर राठी ने कहा कि पेट्रु रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़कर जनता पर आर्थिक बोझ डाला है। भारतीय जनता पार्टी जो फ्री सिलेंडर देने की बात करती थी, उज्ज्वला योजना के तहत भी जिनका 500 रुपये का सिलेंडर मिलता था, वह अब 550 का मिलेगा। कच्चे तेल की कीमत जहाँ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गिर रही है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो अपने आप को गरीबों का हितैषी बताने का ढोंग कर रही है, लेकिन जनता की गाड़ी कमाई टूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। गैस सिलेंडर के भाव बढ़कर जनता के ऊपर आर्थिक बोझ डाल दिया है। एक तो जनता महंगाई की मार से बैसे ही पेशान है और ऊपर से जनता की जेब काटने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। सुंदर राठी ने कहा कि यह सरकार आर्थिक माँचे पर पूरी तरह विफल रही है और इसकी विनाशकारी नीतियों के कारण जनता का जीना दुख हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने ऐसी व्यवस्था बना दी है कि वह सिर्फ 5 प्रतिशत लोगों के लिए काम कर रही है जो चुनाव में इन्को भारी रूप में चंय देते हैं। और 95 प्रतिशत जनता से इनका कोई सम्बन्ध नहीं है।

2,20,200 रूपए राशि वसूल की गई। ये सभी चालान विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर जारी किए गए थे, जिनमें बिना हेलमेट वाहन चलाना, ट्रिपलिंग, बिना नंबर प्लेट, सीट बेल्ट न लगाना, गलत दिशा में वाहन चलाना, रेड लाइट जंप करना, तेज गति से वाहन चलाना आदि शामिल हैं। यह जानकारी चालानिंग ब्रांच के इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर सुभाष चंद द्वारा दी गई है। पंचकूला पुलिस का यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य न केवल चालानों की वसूली करना है, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। पंचकूला पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि वे समय पर अपने चालानों का भुगतान करें और यातायात नियमों का पालन कर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

जशनदीप को मिस्टर और शिमोना कामत को मिस फेयरवेल का पहनाया ताज



अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त स्नातन धर्म कॅलेज में साइंस फैक्ट्री की ओर से 2025 के निर्वहमान बैच को विदाई देने के लिए मौलवार को फेम्सकेल पार्टी का आयोजन किया। कॅलेज के मुख्य सभागार में आयोजित फेम्सकेल पार्टी भावनाओं, पुष्पों यादों और खुशी से भरा भव्य उत्सव था। कार्यक्रम की शुरुआत जीजीजीएसडी कॅलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने छात्रों को अपने कॅलेज के सफर के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभवों को आगे बढ़ाने और जीवन के अगले चरण में आत्मविश्वास के साथ

कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान सभागार को खूबसूरती से सजया गया था, जिससे एक जीवंत और सुंदर माहौल बना। मनमोहन नृत्य प्रदर्शन, संगीत कार्यक्रम और मॉडलिंग प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में उर्जा और उत्साह भर दिया। मिस्टर एंड मिस फेम्सकेल के खिताब के लिए बड़े संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने आकर्षण, प्रतिभा और बुद्धि का प्रदर्शन किया। जशनदीप को मिस्टर और शिमोना कामत को मिस फेम्सकेल 2025 का ताज पहनाया गया। डिप्लो और अभिषेक को मिस्टर और मिस आइकॉनिक का खिताब दिया गया, जबकि श्रद्धा और प्रतिका को क्रमशः मिस्टर और मिस पर्सोनिटिव का खिताब मिला।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण एक तो लोग कम आमदनी व बेरोजगारी से जूझ रहे हैं और दूसरी तरफ इसका आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे हालात में लोगों का जीवन तनावपूर्ण व संकटग्रस्त हो गया है। बहुत हुई महंगाई की मार का नारा देने वाली भाजपा सरकार से माकपा मांग करती है कि वह पूंजीपतियों की चिन्ता छोड़ कर महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए केरल की वामपंथी सरकार की तरह सार्वभौमिक वितरण प्रणाली शुरू कर महंगाई बढ़ाने वाले तमाम कारकों को नियंत्रित करें।

20 से 22 जून तक आयोजित होगा राज्य स्तरीय मां शूलिनी मेला : मनमोहन शर्मा

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी विभागों के सहयोग से किया जायेगा मेले का भव्य व सफल आयोजन

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 8 अप्रैल। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला सोलन का प्रसिद्ध राज्य स्तरीय माँ शूलिनी मेला इस वर्ष 20, 21 व 22 जून को आयोजित किया जाएगा। मनमोहन शर्मा आज यहां राज्य स्तरीय माँ शूलिनी मेला 2025 के आयोजन के लिए ज़िला के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी विभागों के सहयोग से मेले का भव्य व सफल आयोजन किया जाएगा।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला प्रशासन का यह प्रयास रहेगा कि यह मेला इस वर्ष न केवल पारम्परिक रूप से और बेहतर हो



अपितु अपने आयोजन में पूर्ण रूप से सफल भी रहे। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय मेले में जगह-जगह आयोजित किए जाने वाले भण्डारों के लिए उपमण्डलाधिकारी सोलन से पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा। मेले में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लड़कियों के लिए विभिन्न खेलों का अलग से आयोजन किया जाएगा।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि मेला अवधि में कानून एवं व्यवस्था तथा यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए ज़िला पुलिस निर्धारित योजना

के अनुसार कार्य करेगी। उन्होंने इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक सोलन से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा से नज़र रखी जाएगी। उन्होंने इस सम्बन्ध में पुलिस प्रशासन को आवश्यक निर्देश भी जारी किए। उपायुक्त ने कहा कि मेले के सफल आयोजन के लिए सभी सरकारी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने मेले में श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत सभी विभागों को योजना तैयार रखने और निर्धारित मानक प्रक्रियाओं का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने

ये रहे बैठक में मौजूद
पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन, सहायक आयुक्त सोलन नरेंद्र चौहान, उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल, उपमण्डलाधिकारी कण्ठाघाट सिद्धार्थ आचार्य, उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ राजकुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अमित रंजन तलवार, नगर निगम सोलन की संयुक्त आयुक्त विमला सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

कहा कि मेला स्थल एवं सोलन शहर में भीड़ के दृष्टिगत सभी एहतियाती उपाय अपनाए जाएंगे। उन्होंने मेले के दौरान किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मेला अवधि में रोगी वाहन इत्यादि के निकलने के लिए सम्पर्क मार्ग खुले रखे जाएं। इस दिशा में आमजन का सहयोग भी अपेक्षित रहेगा।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि मेले में भव्य शोभायात्रा, प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। मेले में स्वस्थ बेबी शो, फ्लावर शो, श्रान प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए

जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेले की सांस्कृतिक संध्याओं में हिमाचली कलाकारों को यथोचित स्थान एवं सम्मान दिया जाएगा। उपायुक्त ने मेले में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में खेल-कूद, चित्रकला प्रतियोगिता, बेबी शो, श्रान प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मारिका प्रकाशन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बैठक में सुरक्षा एवं अन्य उपायों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सहायक आयुक्त सोलन नरेंद्र चौहान ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया।



शिमला। 8 अप्रैल मंगलवार को अहमदाबाद में विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू।

कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने सुनी जन समस्याएं

अर्थ प्रकाश/अजय मल्होत्रा
शाहतलाई, 8 अप्रैल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव एवं झंडूता कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने ग्राम पंचायत रोहल के गांव नंद नगरांव में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने उनके समक्ष समस्याएं रखीं। वहीं, इस मौके पर सड़क समस्या, पानी समस्या अहम रही। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक कुमार ने लोगों को आश्वासन दिया कि लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के तौर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क समस्या के समाधान के लिए तमाम औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। ताकि यहां पर लोगों को सड़क सुविधा मिल सके। इस दौरान विवेक कुमार ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से भी विकास को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि झंडूता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ ही विकास



कायों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। क्षेत्र की जनता को लाभ मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने लोगों को प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और आह्वान किया कि लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। इस मौके पर बाला पंचायत के बीडीसी सदस्य रणवीर सिंह, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम शर्मा, रमेश राजपूत, बख्शी राम, रामकृष्ण, सुखराज, गोल्डी करपय, संजय चंदेल, सुरेश नेगी, कैप्टन मनसा राम, भगत सिंह, देसराज सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिला ऊना में भाजपा का सक्रिय सदस्य सम्मेलन हुआ सम्पन्न डॉ राजीव बिंदल ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अर्थ प्रकाश संवाददाता
ऊना, 8 अप्रैल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने हरोली और ऊना विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शिरकत की। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ राजीव बिंदल का भव्य स्वागत किया भाजपा की तरफ से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और ऊना विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतपाल सिंह सत्ती और हरोली भाजपा नेता रामकुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया इस्तेमाल किया।सम्मेलन में स्थापना दिवस अभियान के प्रदेश सह संयोजक व प्रदेश सचिव कुमार सुमीत शर्मा व जिला अध्यक्ष शाम मिहसा महाश्री राज पखनिया व आई टी संयोजक अनिल डड्डवाल भी विशेष उपस्थित रहे। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए राजीव बिंदल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत से पार्टी को सींचा है, जिसकी



बदौलत हम आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में गौरवावित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता में अपने ढंग से संगठन रीति-नीति अनुसार काम करने की क्षमता है, कोई भी कार्यकर्ता संगठन कार्य के विस्तार में अपनी क्षमता अनुसार सहयोग करने में सक्षम है। हमें कार्यकर्ता की शक्ति के अनुसार ही उसे काम देना है ताकि वह अपनी ऊर्जा का सही ढंग से पार्टी के हित में इस्तेमाल कर सके। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर देश का नाम विदेशों में रोशन कर रही है।आज भाजपा हिमाचल में कुल 18 लाख सदस्य को सक्रिय कार्यकर्ताओं

के दम से ही बने हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा आज 46वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और सप्ताहिक कार्यक्रम की केंद्रीय योजना अनुसार प्रत्येक बूथ पर बूथ टोली करेगी जनसंपर्क और ग्राम परिक्रमा कार्यक्रमों के लिए भाजपा प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी व विधायक व प्रत्याशी को इस अभियान में योजनाबद्ध ढंग से जोड़े।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अनीता जसवाल अशोक देविंदर कौशल, राहुल शर्मा, लखवीर लखी,कार्यालय सचिव विजय शर्मा जिला मेला मोर्चा अध्यक्ष अनु ठकुर जिला परिषद उपाध्यक्ष आंकर नाथ, इत्यादि उपस्थित रहे।

ई-वाहन आय के बेहतर स्रोत और पर्यावरण के लिए संजीवनी हो रहे सिद्ध

सोलन में ई ऑटो यात्रियों के लिए सस्ते एवं सुरक्षित विकल्प

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 8 अप्रैल। प्रदेश के पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विशेष रूप से परिवहन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास फलीभूत हो रहे हैं। इस दिशा में जहां प्रदेश सरकार की लगभग 680 करोड़ रुपये की महत्वकांक्षी राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना बरोजगार युवाओं के लिए रोजगारी की नई किरण बनी है वहीं ई-वाहन पर्यावरण के लिए संजीवनी का कार्य कर रहे हैं। राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर तथा आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। हिमाचल को देश का पहला हरित ऊर्जा राज्य बनाने में



भी यह योजना निर्णायक सिद्ध होगी। योजना के तहत युवाओं को ई-बस, इलेक्ट्रिकल टैक्सी इत्यादि की खरीद के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार ने ई-टैक्सी के लिए 10 हजार परमिट जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त राज्य में ई-वाहन चालकों की सुविधा के लिए ई-चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित बनाया जा रहा

सोलन जिला पर्यटन के साथ-साथ कृषि एवं बागवानी क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यातायात की दृष्टि से सोलन जिला एक केन्द्र बिन्दु का कार्य करता है। सोलन की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश सरकार द्वारा यहां से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित बनाया जा रहा

ई ऑटो को प्रोत्साहित करने के लिए भी किए जा रहे अगिनव प्रयास

प्रदेश सरकार ने सभी विश्राम गृहों, परिधि गृहों, जल शक्ति तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यालयों, प्रदेश विद्युत बोर्ड के कार्यालयों सहित सभी उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालयों और बड़ी-बरोटीवाला-नालागढ़ विकास प्राधिकरण कार्यालय में ई चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है। जिला में ई ऑटो को प्रोत्साहित करने के लिए भी अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। जिला के कण्ठाघाट उपमण्डल में वर्तमान में 10 से अधिक ई ऑटो यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सस्ती परिवहन सुविधा प्रदान कर रहे हैं। कण्ठाघाट में ई ऑटो का संचालन कर रहे पुनीत शर्मा, आर्यन, वेद प्रकाश, नरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, हरीश, महेन्द्र, नारायण सिंह, अनुज, अजय और युगल ने अवगत करवाया कि हिमाचल प्रदेश सरकार की हरित हिमाचल की परिकल्पना उनके लिए वरदान सिद्ध हुई है। ई ऑटो जहां उनकी रोजी-रोटी का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है वहीं लोगों को सस्ती परिवहन सुविधा भी प्रदान कर रहा है। इन सभी ई ऑटो चालकों ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में सोलन जिला में बड़ी संख्या में ई ऑटो का परिचालन होगा। ई ऑटो की खरीद के लिए जिला उद्योग केंद्र द्वारा 50 प्रतिशत उपदान प्रदान किया जा रहा है। ई ऑटो यात्रियों को न केवल सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था प्रदान कर रहा है अपितु ऑटो चालकों के परिवारों के लिए आय का विश्वसनीय स्रोत भी बना है। प्रदेश सरकार ई वाहनों के परिचालन के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं मनभावन हिमाचल की दिशा में निरंतर अग्रसर है और इस दिशा में सोलन जिला पूरे प्रदेश को राह दिखाएगा।

है कि सोलन जिला से होकर प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को जाने वाले यात्री को अपने इलेक्ट्रिक वाहन के लिए सुविचित चार्जिंग की व्यवस्था प्राप्त हो ताकि उन्हें किसी परेशानी का सामाना न करना पड़े।

एडीसी डॉ. निधि पटेल अब राजस्थान सरकार में देंगी सेवाएं

हिमाचल सरकार ने तीन वर्षों के डेपुटेशन को दी मंजूरी, बुधवार को जयपुर में संभालेंगी नई जिम्मेदारी

अर्थ प्रकाश/अजय मल्होत्रा

शाहतलाई, 8 अप्रैल। जिला बिलासपुर की अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) डॉ. निधि पटेल को तीन वर्षों के लिए राजस्थान सरकार में प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर सेवाएं देने हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है। वे आगामी बुधवार को जयपुर में नई जिम्मेदारी का कार्यभार संभालेंगी। डॉ. निधि पटेल ने हिमाचल प्रदेश में अपने प्रशासनिक कार्यकाल को समृद्ध अनुभव बताया और कहा कि बिलासपुर में सेवा देने के दौरान



उन्हें जनसेवा के विविध आयामों पर कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से अनेक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सका। 2018 बैच की भारतीय

प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) अधिकारी डॉ. निधि पटेल मूलतः उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की रहने वाली हैं। वर्ष 2019 में उन्हें हिमाचल प्रदेश के डंड आर्वाटेंट हुआ। प्रशासनिक सेवाओं के दौरान उन्होंने नालागढ़, बदी और सोलन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। फरवरी 2021 में वे

ऊना जिले की उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) नियुक्त हुईं, जहां उन्होंने प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए। जनवरी 2023 में उन्होंने बिलासपुर जिला की एडीसी के रूप में कार्यभार संभाला। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जिले में पर्यटन विकास को गति देने हेतु कई नवाचार किए। गोविंद सागर झील में वॉटर स्पोर्ट्स और साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के अलावा प्रदेश की पहली स्पेस लैंब की स्थापना भी उनके नेतृत्व में बिलासपुर में हुई। उन्होंने आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्रों की शुरुआत कर बाल विकास कार्यक्रमों को नई दिशा प्रदान की। नयनादेवी मंदिर क्षेत्र के समग्र

पर्यटन विकास के लिए उन्होंने 100 करोड़ रुपये की लागत से मास्टर प्लान तैयार करवाया, जिसे राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक बाबा बालक नाथ मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार हेतु 2 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत का मास्टर प्लान भी उनके मार्गदर्शन में तैयार किया गया, जिसका टेंडर प्रक्रिया में है। आईएसएस बनने से पहले डॉ. निधि पटेल ने बनारस और दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी हार्डिंग अस्पताल में गायनी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के रूप में सेवाएं दीं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श प्रदान कर स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सशक्त योगदान दिया।

खगोल विज्ञान, स्थिरता और स्टीम पर कार्यशाला

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर
सोलन, 8 अप्रैल। शूलिनी विश्वविद्यालय में ऊर्जा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र ने डिटेनियम और इंडियन प्लेनेटरी सोसाइटी (आईपीएस), मुंबई के सहयोग से हाल ही में सौएसएलओ विज्ञान संग्रहालय, शोभी, शिमला में खगोल विज्ञान, स्थिरता और व्यावहारिक स्टीम गतिविधियों पर एक आकर्षक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में युवा दिमागों के बीच विज्ञान, खगोल विज्ञान और सतत विकास के लक्ष्यों को लोकप्रिय बनाना था। सेंट जेवियर्स स्कूल, कलकत्ता के कुल 42 स्कूल छात्रों और शिक्षकों ने सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व सीईईएसटी



के निदेशक और इंडियन प्लेनेटरी सोसाइटी के उपाध्यक्ष प्रो. एस.एस. चंदेल ने किया। प्रो. चंदेल ने नेट जीरो ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए जलवायु-उत्तदायी सौर प्रौद्योगिकियों और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 1994 में शिमला में विज्ञान संग्रहालय और तारामंडल के स्थापना के लिए की गई दूरदर्शी पहल पर भी विचार व्यक्त किए, जो तब से एक जीवंत विज्ञान केंद्र और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ है। डिटेनियम के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ सैम गिब्स ने ब्रह्मांड, सौर मंडल और आकाशगंगाओं पर एक आकर्षक सत्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पर एक इंटरैक्टिव हैंड्स-ऑन कार्यक्रम भी आयोजित की, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को मंजेंदार और व्यावहारिक तरीके से वैज्ञानिक अवधारणाओं का पता लगाने का मौका मिला।

उत्तर रेलवे			
संविदा चिकित्सा प्रेक्टिशनर (सीएमपी) की नियुक्ति सं. UMBOPERS9 (PP3)18/2020-O/c DPO-UI/UMB/NR			
उ. रे., मंडल अस्पताल, अंबाला छावनी-133001 में संविदा चिकित्सा प्रेक्टिशनर (सीएमपी) की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रमुख खबर तथा भर्ती सूचना के अंतर्गत रिक्रियों की स्थिति, नियम, शर्तें, आवेदन पत्र का प्रारूप विस्तृत विज्ञापन के साथ उ. रे. की वेबसाइट https://nr.indianrailways.gov.in → Division → Ambala Division → Personnel → Notification and Answer Key Page पर उपलब्ध है।			
प्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1055/25			

पिकाडिली एगो इंडस्ट्रीन लिमिटेड			
CIN: L0115HR1984NP.CO32244 धर्मपुर कार्यालय: आन भारद्वाज इन्टी-इंटी टैट, वडलीन इंडी, बिला कंडाल, हरियाणा-132117 ईमेल आईडी: piccadillygroup34@rediffmail.com			
एवंद्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी द्वारा जारी निम्नलिखित शेयर प्रमाणपत्र जो गए हैं/गलत स्थान पर रख दिए गए हैं तथा उनके पंजीकृत वाटकों के इन्टीग्रेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कंपनी को अवदेल किया है।			
शेयर होल्डर का नाम	फोलियो नं०	श्री सस्टिकेक नं०	वित्तिह संख्याएं
राजीव पी चंदावती और पी चंदावती	0009371	00160000	050529641 से 050530240
		00153313	025643071 से 025643370
		00108437	020736921 से 020737020
		00108436	020736921 से 020736920
		00108435	020736921 से 020736920
जनता को उपरोक्त शेयर प्रमाणपत्रों को किसी भी तरह से खरीदने या उन्हें निपटने के बिलिंग चेतावनी दी जाती है कोई भी व्यक्ति (व्यक्ति) जो एक शेयर प्रमाणपत्र को खरीदने के साथ कोई वादा करता है, उसे ऐसे वादा पर विचार करना चाहिए और कंपनी उचित शेयर प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। स्थान: कडकल, हरियाणा, दिनांक: 09.04.2025			
AP-223			सो/केपी सचिव पिकाडिली एगो इंडस्ट्रीन लिमिटेड

यूपी मंत्रिपरिषद के महत्वपूर्ण निर्णय

प्रान्तीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों के ड्यूटी भत्ता में बढ़ोतरी

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश के असेवित जनपद हाथरस में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु भूमि हस्तान्तरण के सम्बन्ध में मंत्रिपरिषद ने हाथरस में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज की स्थापना किये जाने हेतु ग्राम सभा बिजाहरी, तहसील सासनी में आगरा अलीगढ़ मार्ग पर स्थित दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ लि. सासनी, जनपद हाथरस के परिसर में चिन्हित 6.675 हे. भूमि चिकित्सा शिक्षा विभाग को सशुल्क उसी दर पर, जिस लागत पर प्रश्नगत भूमि दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. सासनी अलीगढ़ द्वारा वर्ष 1987 में पुनर्ग्रहीत की गयी है, चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तान्तरित किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है।

ज्ञातव्य है कि सरकार की प्राथमिकता उन जनपदों में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की है, जहां शासकीय अथवा निजी क्षेत्र के अन्तर्गत कोई भी मेडिकल कॉलेज स्थापित नहीं है। इसी क्रम में प्रदेश के असेवित जनपद हाथरस में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जानी है। वर्तमान में प्रदेश के कुल 60

जनपदों में राजकीय/ निजी क्षेत्र के कुल 80 मेडिकल कॉलेज स्थापित/संचालित हैं। जनपद हाथरस में प्रश्नगत भूमि पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना होने से जहां एक ओर उत्कृष्ट कोटि के चिकित्सकों को तैयार किया जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर जन सामान्य को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें प्राप्त हो सकेंगी। मंत्रिपरिषद ने जनपद अयोध्या में प्रस्तावित 300 शैया चिकित्सालय के निर्माण हेतु पुराने सीतापुर आई हॉस्पिटल की सन्दर्भगत भूमि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पक्ष में, प्रभावी जिलाधिकारी सर्किल दर पर छूट प्रदान करते हुये, कतिपय शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निःशुल्क आवंटित/हस्तांतरित किये जाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। यह हस्तांतरण अपवादस्वरूप होगा तथा इसे भविष्य में दृष्टांत के रूप में नहीं माना जाएगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा जिलाधिकारी अयोध्या से प्राप्त प्रस्ताव/अनुरोध तथा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सहमति के क्रम में वित्त (लेखा) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-2-75/दस-77-14(4)/74 दिनांक 03.02.1977 के प्राविधानों को



स्थितिल करते हुए अपवादस्वरूप उक्त कार्यालय ज्ञाप के अधीन भूमि को निःशुल्क आवंटित/हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रिपरिषद ने जनपद अयोध्या में 03 से 07 आयु वर्ग के श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित एवं मानसिक मंदित छात्रों हेतु बचपन डे केयर सेंटर की स्थापना के लिए नजूल भूमि की चक-04 बटमकुण्ड अयोध्या, परगना हवेली अवध तहसील सदर, जिला अयोध्या स्थित 4,000 वर्गफीट (371.74 वर्गमीटर) क्षेत्रफल भूमि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के पक्ष में प्रभावी जिलाधिकारी, सर्किल दर पर छूट प्रदान करते हुए कतिपय शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निःशुल्क आवंटित/हस्तांतरित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

मंत्रिपरिषद ने प्रान्तीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों के ड्यूटी भत्ते को 395 रुपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत दिनांक 01 अप्रैल

बंजारा समाज का रहा है समृद्धशाली इतिहास : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विश्व बंजारा दिवस पर विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम में हुए शामिल

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज विश्व बंजारा दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजारा समाज का इतिहास बहुत समृद्धशाली रहा है। बहुत पहले से यह समाज व्यापार से जुड़ा रहा है। देश की स्वतंत्रता में भी बंजारा समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री का बंजारा समाज द्वारा पारम्परिक बंजारा पोशाक पहना कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री को बंजारा समाज द्वारा प्रकाशित पुस्तिका भी भेंट की गयी। बंजारा समाज की महिलाओं ने पारम्परिक लड़ी नृत्य की



सुंदर प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विशाल बंजारा महाकुंभ कार्यक्रम की शुरुआत बंजारा समाज के आराध्य श्री गुरुनानक देव व सन्त सेवालाल महाराज व के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर के किया। उन्होंने बंजारा समाज को विश्व बंजारा दिवस 08 अप्रैल की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजारा समुदाय बरसों से व्यापार करता रहा है। पहले बैल के माध्यम से बंजारा समाज व्यापार के सामान दूर-दूर तक ले जाता था। मुझे बंजारा समाज के

2025 से किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इस प्रस्ताव के क्रियान्वयन के पश्चात प्रान्तीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों की 30 दिन की उपस्थिति के आधार पर ड्यूटी भत्ते में 3,150 रुपये प्रतिमाह की बढ़ोतरी होगी।

मंत्रिपरिषद ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली 2025 को प्रख्यापित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति के रोजगारपरक शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य हेतु भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय अधिनियम, 2022 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन् 2022) की धारा 45 सपडित धारा 46 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके विधायी विभाग द्वारा विधीक्षित भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली 2025 को प्रख्यापित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

वर्तमान में शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में शिक्षण हेतु संस्कृति विभाग द्वारा सहायतित भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय संचालित है। इस विश्वविद्यालय द्वारा स्वर-संगीत, तालवाद्य, स्वर-वाद्य, नृत्य पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

विजयवाड़ा। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) विजयवाड़ा का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन विदेश राज्य मंत्री और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, श्री कीर्ति वर्धन सिंह (एमओएस-केवीएस) द्वारा किया गया, इस अवसर पर श्री कसिनेनी शिवनाथ माननीय सांसद, श्री सुजाना चौधरी, विधायक (पश्चिम), श्री गड्डु राममोहन राव विधायक (पूर्व), श्री बोंडा उमामहेश्वर राव विधायक (मध्य), डॉ. के.जे श्रीनिवास, संयुक्त सचिव (पीएसपी) और सीपीओ और शिव हर्ष क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी उपस्थित थे। विशाखापत्तनम के बाद यह आंध्र प्रदेश का दूसरा पासपोर्ट कार्यालय है। आरपीओ विजयवाड़ा मध्य, दक्षिणी तटीय और गयलसीमा क्षेत्रों के 15 जिलों के पासपोर्ट आवेदकों को सेवा प्रदान करेगा। अंतर्गत इसके अधिकार क्षेत्र में विजयवाड़ा और तिरुपति में दो पीएसके और 13 पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र हैं। (पीओपीएसके) अनंतपुर, बापटला, चित्तूर, गुडीवाड़ा, गूंटूर, हिंदूपुर, कुरुनूल, नंदाला, नरसरावपेट में, नेल्लूर, ओंगोल, रेल्वे कोडूर और वाईएसआर (कडपा)। इन केंद्रों के माध्यम से नये कार्यालय में सेवा दी



जायेगी

एमओएस (केवीएस) ने विजयवाड़ा में पुनर्निर्मित पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) का भी उद्घाटन किया। पुनर्निर्मित

पीएसके की क्षमता प्रतिदिन 1,000 से अधिक आवेदनों की है, जिससे तेज और अधिक कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित होता है। विदेश मंत्रालय पासपोर्ट सेवा परियोजना (पीएसपी) के माध्यम से तेज, पारदर्शी, सुलभ,

नागरिक-अनुकूल और सुविधाजनक पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है - राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना के हिस्से के रूप में एक उच्च प्रभाव नागरिक-केंद्रित ई-गवर्नेंस योजना। आरपीओ विजयवाड़ा और पुनर्निर्मित पीएसके का उद्घाटन आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए पासपोर्ट सेवाओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है उपरोक्त जानकारीया क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, विजयवाड़ा ने बताया है।

मात-पिता मंदिर में ‘मात-पिता पूजन दिवस’ 10 अप्रैल को



अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। मोहाली जिले के बन्डू-अंबाला रोड पर खल्लेर गांव में दुनिया के पहले और एकमात्र निर्माणधीन मात-पिता मंदिर में 10 अप्रैल को ‘मात-पिता पूजन दिवस’ धूमधाम से मनाया जाएगा। स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद गिरि जी महाराज मुख्य अतिथि होंगे, जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू विशिष्ट अतिथि होंगे। एस्पबीएस और हासनी रूफ ऑफ कॉलेज के अध्यक्ष धर्मपाल बंसल और अग्रोहा विकास ट्रस्ट पंजाब के मुख्य संरक्षक श्री शाम लाल सिंगला विशेष अतिथि होंगे। मंगलवार को यहां पक्का वाला के दौरान मीडिया से बातचीत

करते हुए मात-पिता गोथाम महातीर्थ के संस्थापक गोचर दास ज्ञान चंद वालिया ने बताया कि इस अवसर पर अखिल भारतीय गौ कथा वाचक के श्री चंद्रकांत अपने प्रेरणादायी विचार साझा करेंगे तथा भजन गायक प्रवीन वाघवा अपने मधुर भजनों से श्रोतओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत नैदीनी गौ महायज्ञ के साथ होगी, जिसके बाद माता पिता पूजन होगा। इस अवसर पर रां भरने की प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। संस्कार ज्योति द्वय रां भरने की प्रतियोगिता परस्त्री में स्कूली स्तर पर भावी पीढ़ी में माता-पिता और बड़ों के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने की एक अनूठी पहल के तहत शुरू की गई थी।

आरईसी लिमिटेड ने मुंबई में 1 लाख करोड़ निवेश के लिए एमएमआरडीए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



अर्थ प्रकाश नेटवर्क

मुंबई। आरईसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सीपीएसई और प्रमुख एनबीएफसी, ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1 लाख करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर औपचारिक रूप से श्री हर्ष बावेजा, निदेशक (वित्त), आरईसी लिमिटेड और डॉ अंकुश आर नवले, वित्तीय सलाहकार एमएमआरडीए ने मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) मुंबई एनएकसीटी 25 कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडनवीस, माननीय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डॉ संजय मुखर्जी, आईएएस, महानगर आयुक्त, आरईएसएस, निदेशक, आरईसी और आरईसी

और एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन शहरी गतिशीलता, आवास और आवश्यक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए एमएमआर में बुनियादी ढांचे की एक विस्तृत श्रृंखला को वित्तपोषित करने के लिए आरईसी लिमिटेड की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अगले पांच वर्षों में वित्तपोषण वितरित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और संवर्धन में निरंतर प्रगति सुनिश्चित होगी।

इस उपलब्धि पर निदेशक (वित्त) श्री हर्ष बावेजा ने कहा, हमारी 1 लाख करोड़ की प्रतिबद्धता बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो मुंबई महानगर क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार लाएगी। इस अवसर पर आगे, आरईसी लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (आई एंड एल) राहुल द्विवेदी, आईएएस ने कहा, हम इस परिवर्तनकारी पहल में एमएमआरडीए के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं।



लिवासा अस्पताल के निदेशक और सीईओ, डॉ.पवन कुमार ने होशियारपुर मे डायलिसिस और नेफ्रोलॉजी की नई सुविधाएं प्रदान करते हुए कहा कि बेहतर इलाज और विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ समाज में स्वास्थ्य की स्थिति को सुधारना ही लिवासा अस्पताल का मकसद रहा है। इस अवसर पर नेफ्रोलॉजी विभाग से डॉ. आकाश सरकार और जनरल मैनेजर अभिनव श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

रिपोर्टर-सुरीशल सहगल

नवकार महामंत्र जाप की सामूहिक ऊर्जा दुनिया भर में गूजेगी : रणजीत सोलंकी

शांति और सद्भाव के लिए वैश्विक आह्वान, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी आयोजन की विस्तृत जानकारी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

बेंगलूरू। वैश्विक जैन समुदाय 108 देशों में आज 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले नवकार महादिवस के अभूतपूर्व उत्सव की तैयारी कर रहा है। अकेले भारत में 6,000 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें मुख्य समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर दिल्ली के समारोह में उपस्थित रहेंगे। तथा इस वैश्विक आध्यात्मिक अनुष्ठान के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष संबोधन भी देंगे। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू में यह भव्य समारोह 9 अप्रैल को भारतीय समयानुसार



सुबह 8:01 बजे से 9:36 बजे के बीच मनाया जाएगा। प्राथमिक कार्यक्रम यहां के गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क में आयोजित किया जाएगा, जिसमें व्यापक भागीदारी के लिए शहर भर में अतिरिक्त स्थान बनाए गए हैं। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम



का अध्ययन करना है। इस सहयोग के माध्यम से, टीएचडीसीआईएल एक समर्पित परामर्श विंग है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर जल संसाधन अभियांत्रिकी और उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी सेवाओं के क्षेत्र में संपूर्ण अभियांत्रिकी समाधान प्रदान करती है। निगम की यह विंग केंद्र और राज्य सरकार के निकायों के साथ-

की विस्तृत जानकारी यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश खींसरा, महेंद्र रांका, अशोक भण्डारी, महावीर जैन, प्रवीण चौहान, नितिन लूणिया, मदन सुगोत, प्रितेश खॉटेट व सज्जन राज मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन के स्थानीय प्रमुख स्थानों में

विवीपुरम स्थित महावीर धर्मशाला, भगवान महावीर रोड स्थित गणेश बाग, यशवंतपुर में मेवाड़ भवन आदि इन केंद्रों के अलावा भी और केंद्र की तैयारी है। शांति के लिए एक वैश्विक आंदोलन के इस आयोजन पर प्रकाश डालते हुए जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने संबोधन में बताया कि कार्यक्रम का मूल नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप है, जो शांति, अहिंसा और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक एक प्रतिष्ठित जैन मंत्र है। समकालिक पाठ का उद्देश्य दुनिया भर में सकारात्मकता और एकता की एक शक्तिशाली लहर पैदा करना है। कार्यक्रम के महत्व पर बोलते हुए जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा, नवकार महा दिवस लोगों को उनकी आस्था या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी को एक साथ लाने का एक अनुपम अवसर है।

माता वैष्णो देवीजी के ट्रैक के साथ उच्च पहाड़ी ढलानों के लिए ढकान संरक्षण उपाय शामिल हैं। हस्ताक्षर समारोह में श्री माता वैष्णो देवी श्राद्ध बोर्ड के सीईओ श्री अंशुल गर्ग (आईएएस) और टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थितिस पहल के सामरिक महत्व पर प्रकाश डालती है। श्री शैलेन्द्र सिंह, टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) इस अवसर पर वार्ता करते हुए इस बात पर जोर दिया कि टीएचडीसीआईएल जून 2011 से श्राद्ध बोर्ड के लिए तकनीकी सलाहकार के रूप में काम कर रही है, जो संपादन की क्षमताओं में विश्वास का प्रमाण है। इस नए समझौते के तहत, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरे तीर्थयात्रा मार्ग पर भूवैज्ञानिक अन्वेषण करेगा।

हीटवेव के कारण उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पंजाब स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार

स्वास्थ्य विभाग की ओर से आने वाले दिनों में लोगों को लू से खुद को बचा कर रखने की सलाह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल।

पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशों पर, स्वास्थ्य विभाग ने पंजाब में आने वाले दिनों में लू (हीटवेव) से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सावधानियों/परहेजों की विस्तृत सूची जारी की है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हीटवेव तब मानी जाती है, जब किसी समतल क्षेत्र का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक हो जाए या सामान्य तापमान में 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो जाए। यह उच्च तापमान हमारे शरीर की तापमान नियंत्रण प्रणाली को प्रभावित करके गर्मी से संबंधित कई बीमारियों का कारण बन सकता है।

लोगों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करने की अपील करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशक डॉ. हितिंदर कौर ने कहा कि सभी सिविल सर्जनों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि यह सुनिश्चित करें कि सभी अस्पताल गर्मी से प्रभावित मरीजों के उचित प्रबंधन के लिए पूरी तरह सुसज्जित हों। इसके अलावा, जिला अस्पतालों से लेकर सीएचसी स्तर और पीएचसी तक आवश्यक बेड आरक्षित किए गए हैं, जहां 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा, 'सटीक निदान के साथ-साथ गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल अधिकारियों और विशेषज्ञों को रिफ्रेशर प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की गई है।' सिविल सर्जनों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि आशा कार्यकर्ताओं सहित सभी पैरा-मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षित और जागरूक किया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लू से संबंधित एडवाइजरी हर व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने सलाह दी कि टीवी, रेडियो, अखबारों आदि के माध्यम से स्थानीय मौसम की खबरों पर ध्यान दिया जाए। इसके अलावा, मौसम विभाग की वेबसाइट [http://mausam.imd.gov.in/] से मौसम की नवीनतम जानकारी प्राप्त की जा सकती है। लोगों को गंभीर गर्मी की लहर की स्थितियों में पूर्वानुमानों के अनुसार अपनी दैनिक गतिविधियों की योजना बनानी चाहिए ताकि गर्मी के प्रभाव से बचा जा सके।

डॉ. कौर ने जोर देकर कहा कि नवजात शिशु, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग व्यक्ति, मजदूर, मोटे व्यक्ति, किसी भी प्रकार की मानसिक बीमारी से पीड़ित लोग और कम प्रतिरक्षा वाले व्यक्ति, खासकर दिल की बीमारियों या हृदयरंक्षण से पीड़ित लोगों को एडवाइजरी का सख्ती से पालन करना चाहिए, क्योंकि उन्हें लू का शिकार होने का खतरा अधिक होता है।

गर्मी से बचने के लिए क्या करें/क्या न करें

संतरा, अंगूर, खीरा और टमाटर खाएं, क्योंकि इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है।

* आपके घर या कार्यालय में सामान या भोजन की डिब्बीरी के लिए आने वाले लोगों को पानी दें।

* नींबू पानी, लस्सी, नारियल पानी जैसे घरेलू पेय पदार्थों का उपयोग करें और उनका सेवन बढ़ाएं।

* अपनी त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन और अपनी आंखों की सुरक्षा के लिए काले चश्मे लगाएं।

* थोड़ा-थोड़ा भोजन करें और बार-बार खाएं।

* ठंडे पानी से बार-बार नहाएं।

* छतों पर भूसा डालना या सब्जियां उगाना तापमान को कम रखता है।

* यदि व्यायाम कर रहे हैं, तो धीरे-धीरे शुरू करें और कुछ दिनों में इसे बढ़ाएं ताकि शरीर बढ़ते तापमान के अनुकूल हो सके।

* प्याज का सलाद और कच्चा आम नमक

व जौरे के साथ खाने जैसे पारंपरिक उपाय गर्मी के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

क्या न करें:

* नंगे पैर बाहर न जाएं, धूप में बाहर जाते समय हमेशा जूते या चप्पल पहनें।

* धूप में बाहर जाने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच।

* गर्मियों के चरम समय के दौरान खाना पकाने से बचें, रसोई क्षेत्र को अच्छी तरह वादादर रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें।

* शराब, चाय, कॉफी, और कार्बोनेटेड व अतिरिक्त मीठे पेय पदार्थों से बचें, क्योंकि ये वास्तव में शरीर के तरल पदार्थों को कम कर देते हैं।

* तले हुए भोजन से बचें, बासी भोजन न खाएं।

* बच्चों या पालतू जानवरों को बंद वाहन में न छोड़ें।

लक्षण जिनके लिए तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है

* बेचैनी, बोलने में कठिनाई, चिड़चिड़ापन,

अटैचिसया, सलई स्प्रीच, दोरे पड़ना आदि के साथ मानसिक संतुलन में बदलाव।

* गर्म, लाल और सूखी त्वचा।

* जब शरीर का तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक हो जाए।

* गंभीर सिरदर्द।

* चिंता, चक्कर आना, बेहोशी और हल्का सिरदर्द।

* मांसपेशियों की कमजोरी या एक घंटे से अधिक समय तक ऐंठन।

* उल्टियां।

* दिल की धड़कन बढ़ना।

* सांस लेने में तकलीफ।

क्या करना है:

याद रखें, यदि आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसका शरीर का तापमान बहुत अधिक है, जो बेहोश है, बेचैन है, या जिसे पसीना आना बंद हो गया है, तो तुरंत 104 मेडिकल हेलपलाइन पर कॉल करें। एम्बुलेंस के आने तक, उसे छाया में ले जाकर, पंखा लगाकर, और यदि संभव हो, तो उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें। जल्दी कार्रवाई से किसी की जान बच सकती है।

गुरमीत सिंह खुड़ियां ने राज्य भर में डीवॉर्मिंग अभियान का किया शुभारंभ; दवा वितरण हेतु गठित की गई 2000 टीमें समूचे पशुधन को कृमिमुक्त करने के लिए दवा की खरीद पर खर्च किए गए 7.78 करोड़ रुपये

अधिकारियों को इसी सप्ताह के भीतर अभियान पूरा करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। पंजाब के पशुपालन मंत्री स गुरमीत सिंह खुड़ियाँ ने आज राज्य भर में डीवॉर्मिंग अभियान की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि इस अभियान का शुभारंभ उन्होंने श्री मुक्तसर साहिब जिले के लंबी विधानसभा क्षेत्र से किया। स खुड़ियाँ ने बताया कि पंजाब सरकार ने 7.78 करोड़ रुपये की लागत से पूरे पशुधन को कृमिरहित करने के लिए डीवॉर्मिंग दवा खरीद दी है, जिसे राज्य के किसानों को मुफ्त में वितरित किया जाएगा। अधिकारियों को इसी सप्ताह



के भीतर अभियान को पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग ने दवा सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए 2000 से अधिक टीमें गठित की हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी कारणवश दवा प्राप्त नहीं कर सकेगे, वे बाद में

अपने निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से यह दवा मुफ्त में ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य भर में गायां/भैंसों, बछड़ों/बछियों को कृमिमुक्त करने के लिए यह दवा ए.एस.सी.ए.डी. योजना के अंतर्गत वितरित की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि यह राज्य में दूसरा डीवॉर्मिंग अभियान है, जिससे दूध उत्पादन में सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है और किसानों की आय में वृद्धि होगी। पिछले वर्ष चलाए गए अभियान को पशुपालकों द्वारा भरपूर समर्थन मिला था और उन्होंने इस वर्ष भी इसे दोहराने की मांग की थी।

पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव राहुल भंडारी ने विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक पशुपालक के घर तक समय पर दवा पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि राज्य के सभी पशुओं को कृमिरहित बनाया जा सके। यह दूध उत्पादन बढ़ने और पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होगा।

पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. जी.एस. बेदी ने बताया कि एफएमडी (मुंह-खुर) के खिलाफ टीकाकरण से पहले पशुओं का डीवॉर्मिंग किया जाना उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ता है और टीकाकरण की प्रभावशीलता को भी बेहतर बनाता है। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की कि वे इस महीने के मध्य में शुरू हो रहे मुंह-खुर टीकाकरण अभियान से पहले अपने पशुओं को यह दवा अवश्य दिलवाएं, ताकि पशुधन को स्वस्थ बनाया जा सके और राज्य से इस बीमारी का समूल नाश किया जा सके। यह दवा राज्य के सभी सिविल वेटेनरी अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में उपलब्ध है तथा पशुपालक इसे अपने निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से प्राप्त कर सकते हैं।

सन्मति स्कूल की छात्रा इसलोन सिद्धू ने जसरआ से प्रथम स्थान प्राप्त किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जगराओं, 8 अप्रैल। सन्मति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल जगराओं की बेहद प्रतिभाशाली छात्रा इसलोन सिद्धू ने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित नतीजों में 585 प्रतिशत अंक प्राप्त करके जगराओं में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया है। इस संबंध में खुशी जाहिर करते हुए डायरेक्टर मैडम शशि जैन ने बताया कि सुखमनप्रीत कौर ने 577/600 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल में दूसरा स्थान तथा जगराओं में पांचवां स्थान हासिल किया है। त्रिशा कुमारी और प्रिंस कुमार ने संयुक्त रूप से 568/600 अंक प्राप्त कर विद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम को जारी रखते हुए जीविका वर्मा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चौथा स्थान, रोहित कुमार ने 92.67 अंक प्राप्त कर पांचवां स्थान, भिलाई शर्मा ने 91.6 अंक प्राप्त कर छठ स्थान, अनमोल रतन सिंह संधू ने 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सातवां



स्थान प्राप्त किया। प्रियांशी यादव ने 91व अंकों के साथ आठवां स्थान, भावना महतो ने 90.33व अंकों के साथ नौवां स्थान, खुशमन शर्मा ने 90.17 अंकों के साथ दसवां स्थान तथा ग्यारहवां स्थान प्राप्त किया। इस परीक्षा में कक्षा आठ के कुल 126 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 12 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 43 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कुल मिलाकर परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इस खुशी के अवसर पर स्कूल की प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश जैन, सचिव महावीर जैन, निदेशक शशि जैन व प्राचार्या सुप्रिया खुराना ने अच्छे परिणाम लाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी।

गुरपतवंत पन्नू जैसे पंजाब विरोधी ताकतों से नहीं देखी जा रही राज्य की तरक्की: डॉ बलबीर सिंह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत पन्नू द्वारा संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के बारे में किए गए गलत टिप्पणी की कैबिनेट मंत्री डॉ बलबीर सिंह ने निंदा की। उन्होंने कहा कि पन्नू जैसे कुछ पंजाब विरोधी ताकतों से राज्य की तरक्की बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसलिए वे लोग पंजाब की अमन शांति को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन आप सरकार इनके मंसूखों को कामयाब नहीं होने देगी।

डॉ बलबीर ने कहा की बाबा साहब अंबेडकर किसी एक जाति या धर्म के नहीं हैं। वह पूरे देश के हैं और उनकी जयंती पूरे देश में मनाई जाती है। इसलिए यह बयान सिर्फ पंजाब के लोगों को भड़काने के लिए दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने बाबा साहब को सम्मान दिया



है। आप सरकार बनने के बाद पंजाब के सभी सरकारी दफ्तरों में बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर लगाई गई है। हमारी सरकार उन्हीं के सपनों को साकार करने में लगी है।

उन्होंने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि गुरपतवंत पन्नू जैसे लोग समाज के दुश्मन हैं। ऐसे लोग किसी की भी सगे नहीं होते। इसलिए उसकी बातों पर ध्यान न दें। उन्होंने पन्नू को चुनौती दी कि अगर हिम्मत है तो पंजाब आकर यह बात बोलो।

डॉ बलबीर ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ अब पूरा पंजाब जागरूक हो गया है। पंजाब के लोग

खुद इसका जवाब देंगे। वहीं पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार लगातार अपराधियों और गैंगस्टरों पर कार्रवाई कर रही है। हम किसी भी कीमत पर पंजाब का माहौल खराब नहीं होने देंगे।

विधायक गुरदेव सिंह देव मान ने गुरपतवंत पन्नू द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर के खिलाफ दिए गए अपमानजनक बयानों की सख्त निंदा की और कहा कि वह पंजाब का माहौल खराब करने की साजिश रच रहा है।

देव मान ने कहा कि पंजाब का भाईचारा बहुत मजबूत है। यह कभी नहीं टूटने वाला। गुरपतवंत पन्नू को

राज्य में डर और दहशत का माहौल पैदा करना चाहती है पंजाब विरोधी ताकतें: टीकू

भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर हुए हमले पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और प्रवक्ता पवन कुमार टीनू ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। जालंधर में आप विधायक रमन अरोड़ा और बलकार सिंह एवं पार्टी नेता राजविरकर को थियाड़ के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए पवन टीनू ने कहा कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें राज्य में डर और दहशत का माहौल पैदा करना चाहती हैं। ऐसी हिंसक घटनाओं के माध्यम से वे राज्य की अमन-शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल ऐसे लोग पंजाब के दुश्मन हैं। इन लोगों से पंजाब की तरक्की और शांति बर्दाश्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले भी इन लोगों द्वारा पंजाब का माहौल खराब करने की अनेक कोशिशें की गई लेकिन पंजाब के लोगों ने हमेशा उनका डटकर सामना किया और मुंहतोड़ जवाब दिया।

भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर हुए हमले की सरकार करवाणी गहन जांच-दोषियों को जल्द दबोचा जाएगा

अमन अरोड़ा का भरोसा— पंजाब का हर एक नागरिक रहेगा पूरी तरह सुरक्षित, कानून व्यवस्था है सरकार की प्राथमिकता

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर देर रात हुए हमले की आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रधान अमन अरोड़ा ने कड़ी निंदा की और घटना पर चिंता व्यक्त की। घटना के बाद अमन अरोड़ा ने मनोरंजन कालिया से फोन पर भी बात की। उनका हाल जाना और घटना की विस्तृत जानकारी ली।

अपने एक बयान में अरोड़ा ने कहा कि मनोरंजन कालिया और पूरा परिवार पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि दरअसल यह झूठा माफिया



और गैंगस्टरों के खिलाफ पंजाब सरकार द्वारा लगातार हो रही कार्रवाई के कारण पैदा हुई कुछ असमाजिक तत्वों के भीतर पैदा हुई बौखलाहट का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने चबराहट में ऐसा कायनावा काम नहीं है, लेकिन वे बख्शे नहीं जाएंगे। सभी को पकड़कर सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। दोषियों को जल्द काबू करने के लिए पंजाब पुलिस की टीम जांच पड़ताल कर रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा।

मनोरंजन कालिया पर हमले के पीछे लॉरेंस बिश्नोई का हाथ, पंजाब में फैला रहा दहशत का जाल: दीपक बाली

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर हुए हमले पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दीपक बाली ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई पंजाब में इस तरह के हमले करवा रहा है। दीपक बाली ने मनोरंजन कालिया से जालंधर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने उनका हाल जाना और घटना के बारे में बातचीत की।

उन्होंने कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है, लेकिन सच्चाई ये है की पंजाब में इस तरह की हकतेके लॉरेंस बिश्नोई पाकिस्तान से मिलकर करवा रहा है और भाजपा की केंद्र सरकार उसे संरक्षण दे रही है।

लॉरेंस बिश्नोई को गुजरात के



साबरमती जेल में बीजेपी सरकार द्वारा पूरी सुरक्षा और सहीलचरेंत दी जा रही है। ये किसी से छुपा नहीं है। इसके अलावा लॉरेंस के पाकिस्तानियों के साथ भी संबंध हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी के साथ उसकी विडियो कॉल वायरल हुई थी। जिसने यहां हाल ही में हुए एक ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी ली थी।

दीपक बाली ने कहा कि कुछ

शरारती तत्वों को पंजाब का विकास और शांति- सद्भाव बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसलिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

आप नेता ने कहा कि मनोरंजन कालिया हमारे जालंधर शहर के ही हैं। वह पंजाब के बड़े नेता हैं। सरकार मामले की गहनता पूर्वक जांच करवा रही है और सभी दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें धार्मिक तनाव पैदा करना चाहती हैं। उनका मकसद एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाना है, लेकिन वे कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि चाहे बड़ा आदमी हो या साधारण पंजाब की आप सरकार सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। सुरक्षा के मसले पर किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

राज्य स्तरीय हरोली उत्सव-2025 के लिए कलाकारों के ऑडिशन आरंभ

सांस्कृतिक मंच पर सुर, लय और भाव की त्रिवेणी का संगम

ऊना। राज्य स्तरीय हरोली उत्सव-2025 की सांस्कृतिक संंध्याओं के लिए कलाकारों के ऑडिशन लता मोशकर कला केंद्र, समूर कलां में आरंभ हो गए हैं। पहले दिन ऊना जिले के विभिन्न उपमंडलों से आए कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक मंच पर सुर, लय और भाव की त्रिवेणी का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। उपायुक्त ऊना जितन लाल ने जानकारों दी कि ऑडिशन 8 से 10 अप्रैल तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि नामी कलाकारों, राष्ट्रीय स्तर की प्रतिযোগिताओं के विजेताओं तथा प्रसिद्ध कलाकारों को ऑडिशन से छूट दी गई है, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों के लिए ऑडिशन में भाग लेना अनिवार्य है।

यहां करें आवेदन: इच्छुक कलाकार एसडीएम कार्यालय, हरोली में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं अथवा स्टेटेलेवलहरोलीउत्सव एट दी रेट



जीमेल डॉट कॉम पर ईमेल के माध्यम से आवेदन भेज सकते हैं। ऑडिशन के दिन मौके पर भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

स्मारिका के लिए लेख आमंत्रित

इस बार हरोली उत्सव को विशेष बनाने के लिए एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है, जिसमें हरोली के विकास, समृद्ध परंपराओं, धरोहरों और साहित्यिक विरासत पर आधारित लेख प्रकाशित किए जाएंगे। इच्छुक लेखक 15 अप्रैल तक उपरोक्त ईमेल पते पर अपने लेख भेज सकते हैं।

27 से 29 अप्रैल तक होगा आयोजन

हरोली विधानसभा क्षेत्र के कांगड़ मैदान में 27 से 29 अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय महाउत्सव में प्रदेश व देश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक दल भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बाँधेंगे। प्रशासन की प्राथमिकता हिमाचली कलाकारों को अधिकतम मंच प्रदान करना है। दिन के समय स्थानीय शिक्षण संस्थानों, सांस्कृतिक समूहों तथा महिला मंडलों की रंगारंग प्रस्तुतियां उत्सव की शोभा बढ़ाएंगी।

मुकेश अग्निहोत्री के सतत प्रयासों का प्रतिफल है। यह आयोजन लोक संस्कृति, धर्म, जनसरोकार और सामाजिक चेतना के समन्वय का जीवंत प्रतीक है।

खगोल विज्ञान, स्थिरता और एसटीईएम पर कार्यशाला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय में ऊर्जा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र ने डिस्टेंसियम और इंडियन प्लेनेटरी सोसाइटी , मुंबई के सहयोग से हाल ही में इष्टुष्ट विज्ञान संग्रहालय, शोभी, शिमला में खगोल विज्ञान, स्थिरता और व्यावहारिक स्क्वक्षर गतिविधियों पर एक आकर्षक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में युवा दिमागों के बीच विज्ञान, खगोल विज्ञान और सतत विकास के लक्ष्यों को लोकप्रिय बनाना था। सेंट जेवियर्स स्कूल, कलकत्ता के कुल 42 स्कूली छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व सीईईएसटी के निदेशक और इंडियन प्लेनेटरी सोसाइटी के उपाध्यक्ष प्रो. एस.एस. चट्टेल ने किया। प्रो. चट्टेल ने नेट जीरो ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान

केंद्रित करते हुए जलवायु-उत्तरदायी और प्रौद्योगिकियों और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 1994 में शिमला में विज्ञान संग्रहालय और तारामंडल की स्थापना के लिए की गई दूरदर्शी पहल पर भी विचार व्यक्त किए, जो तब से एक जीवंत विज्ञान केंद्र और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ है। डिस्टेंसियम के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ सीम गिम्बर्ग ने ब्रह्मांड, सौर मंडल और आकाशगंगाओं पर एक आकर्षक सत्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने स्क्वक्षर (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पर एक इंटरैक्टिव हैड्स-अन कार्यक्रमशाला भी आयोजित की, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को मजेदार और व्यावहारिक तरीके से वैज्ञानिक अवधारणाओं का पता लगाने का मौका मिला।

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर । मीट मछली खाने वाले लोगों को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि मीट मछली को खुले में काटने व बिना मेडिकल जांच के मास खाना आपकी सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। आज के समय में लोगों द्वारा मीट मछली का सेवन काफी मात्रा में किया जा रहा है। लेकिन जो मीट लोग खा रहे क्या वह स्वस्थ है या नहीं, इसकी मेडिकल जांच भी नहीं करवाई जा रही है। जबकि नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी द्वारा पिछले वर्ष मार्च 2024 में आदेश दिए थे कि खुले में मीट काटना मना है और बकायादा उसकी जांच होनी चाहिए। जिसके लिए वेटनरी डाक्टर की



जांच के बाद बकायादा सर्टिफिकेट देने की बात कही थी। यह भी कहा गया था कि यदि कोई मुर्गा या बकरा बीमार पाया जाता है तो उसे काटा नहीं जाएगा। उन्होंने यहां तक बोला था कि नगर परिषद द्वारा सलाटर हॉउस के लिए जगह भी देखी जा रही है। लेकिन कार्यकारी अधिकारी के हवा हवाई बयान के एक साल बाद भी शहर में मीट मछली विक्रेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई

चम्बा-तीसा मार्ग पर गाड़ी से सवा 4 किलो चरस बरामद, चुराह का तस्कर गिरफ्तार



अर्थ प्रकाश संवाददाता

तीसा। पुलिस ने जसौरगढ़ में नाकाबंदी के दौरान एक युवक से 4 किलो 214 ग्राम चरस बरामद की है। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिनेश कुमार (32) पुत्र सिंह निवासी गांव स्वाला, डाकघर चांजू, तहसील चुराह व जिला चम्बा के रूप में हुई। मंगवलवार सुबह एसआईयू टीम चम्बा द्वारा चम्बा-तीसा मार्ग पर जसौरगढ़ जीरो प्वाइंट पर नाका लगाया था और वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक गाड़ी आई जिसे जांच के लिए रोका गया। वाहन चालक पुलिस टीम को देखकर सदिग्ध हरकतें

करने लगा। सदेह के आधार पर पुलिस ने तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान गाड़ी में एक बैग पाया गया। पुलिस द्वारा उसकी जांच की तो उसमें से चरस मिली जिसका वजन 4 किलो 214 ग्राम पाया गया। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि चरस को बाहरी क्षेत्रों में बेचने की तैयारी की जा रही थी। पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। एसपी चम्बा अभिषेक यादव ने बताया कि पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ अभियान छेड़ा हुआ है। इस

मीट मछली को खुले में काटने व बिना मेडिकल जांच के मास खाना सेहत के लिए हानिकारक

अर्थ प्रकाश संवाददाता



शहर में कितनी दुकानें हैं या कितना किलो मीट रोज काटा जाता है, इसका फिलहाल कोई रिकार्ड नहीं है। जिसकी जांच पश्ताल के लिए अभी काम किया जा रहा है। मीट मछली काटने तथा बेचने वाली दुकानों को सेहत विभाग से एक लाइसेंस लेना पड़ता है। इन दुकानों पर जाकर हम इनका लाइसेंस चेक करेंगे, जो भी ऐसी दुकान जिनके पास लाइसेंस नहीं है और यदि यह दुकानदार खुले में मीट मछली काटते पाए जाते हैं तो उन्हें इंकोर्पोरेट विंग की मदद से हटाने की कार्रवाई करेंगे।

रणजीत सिंह, सेनेटरी इंस्पेक्टर, नगर परिषद जीरकपुर ।

लिए नगर परिषद का खुद का सलाटर हॉउस व डाक्टर की व्यवस्था होने चाहिए ताकि मीट मछली खाने वाले लोग स्वस्थ मीट खा सकें। इसके लिए लोगों को खुद भी सतर्क होना पड़ेगा और डाक्टर व मेडिकल जांच की मांग लोगों को खुद भी करनी चाहिए।

घग्गर नदी में रात के समय की जा रही माइनिंग, विभाग गहरी नींद में

ठेका खत्म होने के बावजूद रात के समय काम किया जा रहा है नियमों से ज्यादा खोद डाली जमीन, देखेगा कौन, लोगों ने की विजिलेंस जांच की मांग



प्रदेश सरकार ने नई खनन पॉलिसी भी नहीं बनाई

मौजूदा पंजाब सरकार ने कहा था कि नई खनन पॉलिसी बनाई जाएगी, परंतु अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ। सरकार के इस ढीले रवैये के चलते जीरकपुर क्षेत्र में जायज अलॉट रामपुरा घाट की आड़ में घग्गर नदी के किनारे छतबीड़ जु के पीछे वन विभाग और ड्रेनेज विभाग की सैकड़ों एकड़ जमीन से माफिया ने करोड़ों की रेत और मिट्टी खोद करके सरकार को चूना लगा दिया है, जो रिवार की रात तक जारी था। इसके गवाही पोक्लेन मशीनों के घेने और टिप्परो के टायरों के निशान दे रहे हैं। हमने कैमरे चेक करवाए हैं वहां कोई मीनिंग नहीं हो रही अगर आपके पास तस्वीरें हैं तो आप मुझे मेरे नंबर पर वह तस्वीर भेजें मैं बनती कार्रवाई करूंगा।

आकाश अग्रवाल, एक्सईएन माइनिंग विभाग

थी। आलम यह है कि अब वहां पर कई -कई फुट के गहरे खड्डे बन चुके हैं जिनमें घग्गर का पानी भरा हुआ है। ऐसे में आसपास गांव में रहने वाले बच्चे गर्मियों के समय यहां नहाने के लिए आ जाते हैं। गहराई का अनुमान न होने के चलते यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। धामपुर में ऐसा ही एक

हादसा हो चुका है जिसमें एक 11 साल के बच्चे की डूब कर मौत हो गई थी। मौके का दौरा करने से साफ जाहिर होता है कि कंपनी परमिशन की आड़ में गैर कानूनी काम कर रही है और अनुमति से ज्यादा मिट्टी निकाल कर सरकार के रेवेन्यू को भी नुकसान पहुंचा रही है। आसपास गांव के लोगों

संजीव खन्ना ने मनोरंजन कालिया के घर पर ग्रेनेड हमले की निंदा की, राज्य की कानून व्यवस्था पर जताई चिंता

अर्थ प्रकाश संवाददाता



जीरकपुर। डेराबस्सी के भाजपा नेता और राज्य सचिव संजीव खन्ना ने पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के जालंधर स्थित घर पर ग्रेनेड हमले की कड़ी निंदा की है। सोमवार देर रात हुए इस हमले ने पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। संजीव खन्ना ने एक बयान में घटना पर निराशा जताते हुए कहा कि पंजाब में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। हमले बहुत आम हो गए हैं। उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं है कि इस तरह का हमला हुआ हो, ऐसी घटनाएं पुलिस थानों

खिलौनों की तरह लेकर घूम रहे हैं। संजीव खन्ना ने पंजाब में कानून व्यवस्था बनाए रखने में राज्य सरकार की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठाए हैं। संजीव खन्ना ने मनोरंजन कालिया और उनके परिवार को इस मुश्किल समय में मजबूती से खड़े रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी श्री कालिया जी के साथ खड़ी है। उन पुलिस अधिकारियों से राज्य के सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने पंजाब के लोगों से हिंसा के ऐसे कृत्यों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया और शांति और सद्भाव बनाए रखने का भी आह्वान किया।

प्रदेश में अब तक नहीं हुई 400 से अधिक शराब दुकानों की नीलामी



अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमाचल में अब तक 400 से अधिक शराब की दुकानों की नीलामी नहीं हुई। ऐसे में प्रदेश में बची हुए शराब की दुकानों की नीलामी बुधवार और वीरवार को होगी। राज्य में 400 से ज्यादा शराब की दुकानों के नीलामी अभी तक नहीं हो सकी है। हालांकि कर अलग से न्यूनतम आरक्षित मूल्य एवं आबकारी विभाग में 5 से 6 बार इनकी नीलामी की प्रक्रिया की थी। इससे पहले इनको यूनिट के

आधार पर आर्बिट्र किया जा रहा था। अब हर दुकान का अलग-अलग से टैंडर होगा। इसकी नीलामी कर दी जाएगी। माना जा रहा है कि न्यूनतम आरक्षित मूल्य से भी कम राशि मिलने के कारण पहले नीलामी नहीं हो पाई थी। अब इसके लिए हर दुकान के लिए अलग से न्यूनतम आरक्षित मूल्य तय किया है। इससे ज्यादा बोली लगाने वालों को इन दुकानों का 2 दिन में आबंटन कर दिया जाएगा।

मुद्रा योजना से करोड़ों भारतीयों का जीवन बदला : अनुराग

योजना के अंतर्गत 10 वर्ष में 52 करोड़ रुपए से ज्यादा ऋण के 33 लाख करोड़ रुपए से करोड़ों भारतीयों को मिलने से उनके जीवन में आया बदलाव



शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि केंद्र सरकार की योजना मुद्रा योजना के अंतर्गत 10 वर्ष में 52 करोड़ रुपए से ज्यादा ऋण के 33 लाख करोड़ रुपए से करोड़ों भारतीयों को मिलने से उनके जीवन में बदलाव आया है। इस योजना का लाभ आधे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय को मिला है। अनुराग ठाकुर ने यहां जारी

बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2015 को इस योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना की लाभार्थियों में ज्यादातर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के कारण युवा जांब सिकर की जगह जांब क्रिएटर बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत में वित्तीय पहुंच बढ़ाने और समावेशी उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के प्रभाव को लगातार स्वीकार किया है।

कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने सुनी जन समस्याएं



अर्थ प्रकाश/अजय मल्होत्रा

शाहतलाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव एवं झंडूता कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने ग्राम पंचायत रोहल के गांव नंद नगरांव में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने उनके समक्ष समस्याएं रखीं। वहीं, इस मौके पर सड? समस्या, पानी समस्या अहम रही। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक कुमार ने लोगों को आश्वासन दिया कि लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के तौर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क समस्या के समाधान के लिए तमाम औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। ताकि यहां पर लोगों को सड़क सुविधा मिल सके। इस दौरान विवेक कुमार ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर

किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से भी विकास को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि झंडूता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ ही विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। क्षेत्र की जनता को लाभ मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने लोगों को प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और आह्वान किया कि लोग सरकार योजनाओं का लाभ उठाएं। इस मौके पर बाला पंचायत के बीडीसी सदस्य रणवीर सिंह, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम शर्मा, रमेश राजपूत, बख्शी राम, रामकृष्ण, सुखराज, गोल्डी कश्यप, संजय चट्टेल, सुरेश नेगी, कैप्टन मनसा राम, भगत सिंह, देसराज सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उपायुक्त ने जिलावासियों से बाल विवाह रोकने में मदद करने की करी अपील

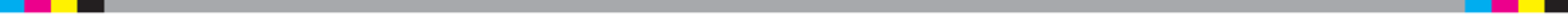
अर्थ प्रकाश संवाददाता



पंचकूला। अक्षय तृतीय पर्व को कि 30 अप्रैल को है इस दिन सामूहिक विवाह होने की संभावना रहती है। ऐसे में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के को नाबालिग माना जाता है।18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह करना सज्जेय और गैर जमानती है। यह जानकारी उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने देते हुए बताया कि जिले में बाल विवाह रोकने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा रोहिला की अध्यक्षता में सघन अभियान चलाया

जा रहा है । जिसने बाल कल्याण समिति, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला बाल कल्याण इकाई व वन स्टॉप सेंटर के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है । संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि पंचकूला जिले को बाल विवाह मुक्त

बनाने में सहयोग करे। अगर किसी को भी अपने आस पास बाल विवाह के बारे में पता चले तो तुरंत संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी, 181, व डायल 112 में सूचित करें। इसके साथ साथ सभी बैंक्रेट हाल के मालिक, धार्मिक संस्थान, हलवाइयों, प्रिंटर्स व पंडितों से भी अनुरोध है की वो शादी से पहले शादी होने वाले जोड़े की आयु की पड़ताल जरूर करें। इसके अलावा बाल विवाह की कोई कानूनी मान्यता नहीं है । उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करताता है , उसको बढ़ावा देता है या उसने सहायता करता है , उसको दो साल तक की कड़ी सजा और एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।



NAVKKAR
Jewellers Since 1996

द्वारा प्रस्तुत
Digital Gold

Tricity's
1st
Digital Gold App

NAVKKAR
JEWELLERS
SINCE 1996
DIGITAL GOLD

BUY NOW

- कहीं भी, कभी भी सोना खरीदें!
- आभूषण के लिए रिडीम करें
- हमेशा सबसे अच्छी कीमत !
- 100% सुरक्षित भंडारण
- आसान मासिक SIP
- सिंगल क्लिक पर गिफ्ट

उपयोग करना शुरू किजिए

नवकार ज्वैलर्स डिजिटल गोल्ड ऐप !

बचत करना शुरू करें

स्मार्टली टुडे @ सबसे अच्छी कीमत हमेशा

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें : 9876628837

पर उपलब्ध है

दिल्ली में भीषण गर्मी से इंडिया गेट पर पर्यटकों की घटी संख्या

अगले एक-दो दिन में राहत की उम्मीद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। दिल्ली में तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है, जिस कारण इंडिया गेट पर घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी देखी जा रही है। फिर भी, जो लोग घर से निकले हैं, वे तेज धूप और गर्मी में भी इंडिया गेट का आनंद ले रहे हैं। पर्यटकों का कहना है कि गर्मी बहुत ज्यादा है, लेकिन अब जब वे निकल ही आए हैं, तो घूमकर ही जाएंगे। वे तेज गर्मी से अपना बचाव करने के लिए ज्यादा पानी पी रहे हैं और आंखों में जलन से बचने के लिए सनग्लासेस पहन रहे हैं।

उनका कहना है कि कम भीड़ होने से इंडिया गेट को अच्छे से देखने का मौका मिल रहा है, जिससे घूमने में मजा



आ रहा है। अन्य राज्यों की तुलना में पर्यटकों ने बताया कि दिल्ली की गर्मी कोलकाता और राजस्थान से भी ज्यादा है। दिल्ली का तापमान अभी 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। हालांकि, आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है, जिस वजह से दिल्ली के लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि दिल्ली में अगले एक-दो दिनों

में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण मौसम में बदलाव हो सकता है, जिससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में 10 अप्रैल के आसपास हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 8 अप्रैल को भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों के

दौरान पश्चिमी राजस्थान में कई स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति के साथ अधिकांश स्थानों पर उष्ण लहर की स्थिति बनी रही; पूर्वी राजस्थान में छिपटुट स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति के साथ कई स्थानों पर उष्ण लहर की स्थिति बनी रही; सौराष्ट्र और कच्छ, हिमाचल प्रदेश, पंजाब के छिपटुट स्थानों पर उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति बनी रही। हरियाणा-चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र के छिपटुट स्थानों पर उष्ण लहर की स्थिति बनी रही। वहीं, त्रिपुरा (अमरतला) में छिपटुट स्थानों पर आंधी-तूफान देखा गया। तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल, केरल और आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और कर्नाटक में छिपटुट स्थानों पर आंधी-तूफान के साथ तेज हवाएं चलीं।

किसानों ने सरकार पर लगाया दशमेश नहर बनाकर दिल्ली और राजस्थान को पानी देने का आरोप

बनुड़ (अप्रैल)। राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा प्रस्तावित दशमेश नहर के संबंध में किसानों की जनसुनवाई के तहत आज बनुड़, नडियाली, हुलका, खानपुर बांगर, बूटा सिंह वाला, जंगपुर, खासपुर, धर्मगढ़ और छडबड़ के किसानों का एक सामाजिक गुरुद्वारा सिंह शहीदा गांव बूटा सिंह वाला में हुआ। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन सिद्धपुर के ब्यौकध्यक्ष तरलोचन सिंह नडियाली, जसपाल सिंह मोती जंगपुर, खजान सिंह हुलका सदस्य जिला परिषद, सरपंच जसनेल सिंह बूटा सिंह वाला, अतिरिक्त पाल सिंह बूटा सिंह वाला, तरलोचन सिंह पुआध, अमरीक सिंह, छज्जा सिंह, परमजीत सिंह जंगपुर, सरपंच हरबंस सिंह धर्मगढ़, तरसेम लाल पूर्व सरपंच खानपुर, अमरजीत सिंह खासपुर, नंबरदार कुलबीर सिंह खासपुर, गुरपीत सिंह डिंगल, जगतार सिंह छडबड़, काला खानपुर, गुरविंदर सिंह, गुरपीत सिंह नडियाली और अन्य किसानों ने कहा कि वे पंजाब सरकार द्वारा दशमेश नहर के लिए प्रस्तावित जमीन पर अपने-अपने गांवों की ओर से अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी भी कीमत पर नहर के लिए अपने गांव की जमीन नहीं देंगे। अगर सरकार ने उन पर दबाव बनाया, तो वे अब सड़क जाम करने के बजाय मंत्रियों और अधिकारियों के घरों के सामने धरना देंगे।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने विभिन्न मंडियों में खरीद कार्यों की शुरुआत की

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 8 अप्रैल। डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने मंगलवार को डेराबस्सी उपमंडल की धनौनी, अमलाला, जरोट, सिंबली, समगौली मंडियों में खरीद कार्यों का उद्घाटन किया। विधायक रंधावा ने किसानों को गेहूं की फसल की खरीद के लिए सभी जरूरी प्रबंधों का भरोसा दिलाते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की प्रतिबद्धता के अनुसार मंडियों में लाई गई सूखी फसलों की तुरंत खरीद सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में किसानों के आगमन के साथ खरीद प्रक्रिया का औपचारिक उद्घाटन किया।

किसानों से मंडियों में सूखी फसल लाने की अपील करते हुए



विधायक रंधावा ने कहा कि इससे खरीद एजेंसियों को भी खरीद में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र में कुल 07 खरीद केंद्र हैं तथा लालडू मंडी में खरीद शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने सभी खरीद एजेंसियों को गेहूं की फसल तुरंत खरीदने के निर्देश दिए हैं ताकि मंडियों में अपनी फसल बेचने आने वाले किसानों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने आगे कहा कि यह

सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित एजेंसी द्वारा खरीदे गए गेहूं का भुगतान 48 घंटों के भीतर किसानों के खातों में किया जाए। इसी प्रकार, खरीदे गए गेहूं का उठान 72 घंटे के भीतर किया जाएगा ताकि मंडी में जगह की कमी न हो। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे खेतों में फसल अवशेषों को न जलाएं जो पर्यावरण व मानवता के हित में नहीं है, बल्कि फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए नजदीकी सोसायटी या कृषि विभाग के अधिकारी से फसल अवशेष मशीनरी मंगावाएं।

डेरा बस्सी में अंधेड़ व्यक्ति लापता, पत्नी ने पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेरा बस्सी, 8 अप्रैल। डेरा बस्सी में एक अंधेड़ उम्र का व्यक्ति कई दिनों से लापता है। उसकी पत्नी पिछले कई दिनों से उसे ढूंढने में लगी हुई थी, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो आखिरकार उसने डेरा बस्सी पुलिस स्टेशन में पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

गुमशुदा व्यक्ति की पहचान दिनेश चौधरी के रूप में हुई है, जिनकी उम्र 53 वर्ष बताई जा रही है। दिनेश चौधरी की पत्नी आशा रानी, जो कि कॉलेज कॉलोनी, डेरा बस्सी में रहती हैं, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पति मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे और उनका इलाज कोलकाता स्थित

एक निजी अस्पताल में चल रहा था। आशा रानी ने बताया कि 3 अप्रैल 2025 की सुबह करीब 9:30 बजे दिनेश चौधरी बिना कुछ बताए घर से निकल गए। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो परिवार ने अपने स्तर पर उनकी तलाश शुरू की। मिस्तेदारों, दोस्तों, जान-पहचान वालों और आसपास के इलाकों में उन्हें ढूंढने की कोशिश की गई, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिली।

उन्होंने यह भी बताया कि जाते समय दिनेश चौधरी ने लाल रंग की शर्ट और काली पैंट पहनी हुई थी। उनके पास कोई मोबाइल फोन या पहचान पत्र नहीं था। आशा रानी ने यह भी कहा कि उनके पति मानसिक रूप से स्थिर नहीं था।

कालीबाड़ी में चार दिवसीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के साथ श्री रामकृष्ण की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का किया जाएगा आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अप्रैल। कालीबाड़ी चंडीगढ़ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ भगवान श्री रामकृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम बंगाली नव वर्ष और कालीबाड़ी चंडीगढ़ के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है जो की सेक्टर 47 स्थित मंदिर परिसर में 12 अप्रैल, 2025 से चार दिवसीय समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कालीबाड़ी के अध्यक्ष प्रणव सेन और सचिव राजेश रॉय ने बताया कि 'जगत् हिताय च' (विश्व के कल्याण के लिए) के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर कालीबाड़ी चंडीगढ़ श्री रामकृष्ण परमहंस की प्राण प्रतिष्ठा कर रहा है, जिन्हें मां काली की दिव्य सत्ता और धार्मिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। इस आध्यात्मिक मौल के पत्थर का उद्देश्य 1970 में अपनी स्थापना के

बाद से कालीबाड़ी चंडीगढ़ की आध्यात्मिक और समाज सेवा में नई ऊर्जा का संचार करना है। इस शुभ अवसर पर विभिन्न रामकृष्ण मिशन केंद्रों के पूज्य साधुओं के साथ-साथ गणमान्य व्यक्ति भक्त सम्मेलन और भक्ति गीत सम्मेलन सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

तुम जियो हजारों साल



आशुतोष को उनके जन्मदिन पर परिवार व सगे संबंधियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

RS Steel Industries
AN ISO 9001 : CERTIFIED COMPANY
1983

Specialists in : DISPLAY RACKS/TROLRIES
Mfrs. of : Fancy Display Racks, Restaurants Furniture & Shopping Trolley, Racks, Trolleys, Basket & Fabrication of MS/SS/Aluminum
Also Undertaken Govt. & General Order Suppliers

Plot No. 130, INDUSTRIAL AREA, PHASE-2, CHANDIGARH
Contact : 9915588039, 0172-3189169
www.rssteelindustries.com Email : rs.steel130@gmail.com

MIKKY
BRASS BAND
ROYAL BAND FOR ROYAL MARRIAGE

FANCY LIGHT, IMPORTED FIRE WORKS, PUNJABI DHOL, BAGPIPER BAND, PALKI, BAGGI, RATH

MIKKY PALACE
SHAZADPUR, DISTT. AMBALA

SCF-23, 1st FLOOR, SECTOR -18C, CHANDIGARH
(M) 9814004938, 7986365312

FIND US ON

WALL, FLOOR & VITRIFIED TILES
TILING SOLUTION (Adhesive, Epoxy)
www.spenzaceramics.com

SCO 445-46, 2nd Floor Cabin No.206, Sector 35 C, Chandigarh - 160035
Tel 0172 3500930 Mob 9316507105, 9316907105

USHA *Heater*

HEROLUX

AMRIT ELECTRICALS PRIVATE LIMITED

Breezalit

Where with White Blades

Antique Power with Antique Black Blades

New Branze with Coffee Beech Blades

cata Spain

EUROPEAN INNOVATIONS FOR A BETTER LIVING

LÜFT

QUALITY IS NOT EXPENSIVE IT'S PRICELESS

ONLY TO BRING OUT, THE LARGEST EVER RANGE OF DECORATIVE FANS

SCO 26, Sector-26, MM, Ph.:4630426, 9814016237, Electric City : 426-A, Indl. Area, Phase-II, Chandiarh Ph. :4640426, 9888012838, Email : amritelectricals@gmail.com, www.amritelectricals.com